राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार,20 अप्रैल–2023 वर्ष–6,अंक–85 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एकनाथ शिंदे के साथ सरकार फिर भी बीजेपी को नए दोस्त की दरकार!

क्या है एनसीपी में हलचल की वजह

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में फूट की अटकलों के बीच अजित पवार ने अपना मत साफ कर दिया है। उनका कहना है कि जिंदा रहते वह एनसीपी के साथ ही रहेंगे। इस सियासी घटनाक्रम में भारतीय जनता पार्टी की भी भूमिका मानी जा रही थी, लेकिन सवाल है कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ सरकार चला रही पार्टी को राज्य में नए साथी की जरूरत क्यों पड़ गई? खास बात है कि अयोग्यता को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसला का इंतजार महाराष्ट्र की राजनीति को है। अब एक मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि भाजपा एकनाथ और उनके विधायकों के खिलाफ फैसला आने की स्थिति को लेकर अपनी तैयारी कर रही है। ऐसे में उन्हें राज्य में सरकार बनाने के लिए एक और मजबूत साथी की जरूरत होगी।

रिपोर्ट के अनुसार, अजित के करीबी एक एनसीपी नेता का कहना है कि शिंदे की अगुवाई में सरकार का प्रदर्शन अच्छा नहीं है। उन्होंने कहा कि यह सरकार किसानों के मुद्दों पर फेल हो गई है और न ही राज्य के लोगों के

लिए कोई सकारात्मक फैसले ले रही है। उन्होंने कहा कि 2024 आम चुनाव को देखते हुए भाजपा का राज्य में अधिकतम सीटें जीतना मुश्किल हो जाएगा। एनसीपी नेता का कहना है कि ऐसे में भाजपा एक और साथी तलाश रही है। हालांकि, अजित के भाजपा में जाने की अटकलों के बीच शरद पवार ने कहा था, %सभी पार्टी को मजबूत बनाने के लिए काम कर रहे हैं। अजित पवार ने विधायकों की कोई बैठक नहीं बुलाई है। ये सब बातें सिर्फ मीडिया में हैं।

एनसीपी आई तो सरकार छोड़ देंगे शिंदे

हाल ही में शिवसेना विधायक संजय शिरसाट ने यह दावा किया है कि अगर अजित भाजपा के साथ आते हैं, तो शिवसेना सरकार छोड़ देगी। उन्होंने कहा, %अगर अजित पवार शिवसेना और भाजपा की विचारधारा स्वीकार कर लेते, तो हम उनका स्वागत करते। लेकिन अगर वह एनसीपी या एक धड़े के साथ भाजपा में शामिल होते, तो यह गलत होता और हम सरकार छोड़ देते।

अतीक अहमद के कातिल अरुण मौर्य की अचानक बदली लाइफस्टाइल, लॉरेंस बिश्नोई से क्या कनेक्शन

नई दिल्ली। माफिया अतीक अहमद के हत्यारों में अरुण मौर्य सबसे छोटा है और महज 18 साल का है। उसे लेकर हर दिन नए खुलासे हो रहे हैं। इस बीच पता चला है कि एक कमरे के घर में परिवार के साथ रहने वाले अरुण मौर्य को महंगी चीजें पसंद थीं। यहां तक कि वह जूते तक 10 हजार रुपये के पहनता था। गरीबी और तंगहाली में बचपन गुजारने वाले अरुण मौर्य का अंदाज फरवरी 2022 में जेल जाने के बाद से बदल गया था। कट्टे के साथ पकड़े जाने पर अरुण मौर्य को जेल हो गई थी और जब वह जमानत पर वापस लौटा तो एकदम बदल चुका था। गोलगप्पे बेचने वाले कासगंज के दीपक कुमार का बेटा अरुण कुमार अब महंगे कपड़े जूते और होटलों में खाने-पीने का शौकीन हो गया था। उसके शौकिया मिजाज का अंदाजा इस बात से भी लगा सकते हैं कि वह 10 हजार रुपये तक के जूते पहना करता था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अरुण मौर्य गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के कारनामों से प्रभावित था। वह उससे मिलने की जुगत में लगा रहा करता था और बिश्नोई के गुर्गों से संपर्क साधने की कोशिश में था। उसकी लॉरेंस बिश्नोई से कभी मुलाकात हो पाई या नहीं, यह अब तक साफ नहीं हो पाया है। अरुण मौर्य के पिता दीपक मां कैला देवी कई साल पहले गांव लौट आए थे। यहां अरुण के पिता ने गोलगप्पे बेचने का काम शुरू किया। लेकिन अरुण मौर्य मां और पिता से अलग पानीपत में ही रहता था, जहां उसके दादा और चाचा का परिवार रहता है। यहीं पर अरुण एक फैक्ट्री में सिलाई का काम करता था और 10 हजार रुपये तक कमा लेता था। लेकिन आपराधिक प्रवृत्ति के अरुण को हमेशा लग्जरी लाइफ का शौक रहा। इसी को पूरा करने के लिए वह अपराध के दलदल में फंसता चला गया। यही कुछ बड़ा करने की चाहत ही शायद अरुण मौर्य को अतीक अहमद और उसके भाई की हत्या तक ले गई।

अविवाहित बेटियों को भी विवाह खर्च पाने का अधिकार, हाई कोर्ट से पिता को झटका

नई दिल्ली। केरल हाई कोर्ट ने फैसला सुनाया है कि किसी भी अविवाहित बेटी को अपने पिता से उचित विवाह खर्च पाने का अधिकार है। भले ही वह किसी भी धर्म से ताल्लुक रखती हो। जस्टिस अनिल के नरेंद्रन और जस्टिस पीजी अजित कुमार की खंडपीठ ने कहा कि इस अधिकार को किसी भी धर्म की मान्यता की आड़ में खत्म नहीं किया जा सकता है। दो जजों की खंचपीठ ने कहा, ÷एक अविवाहित बेटी का अपने पिता से विवाह संबंधी उचित खर्च पाने का अधिकार, धार्मिक अड़चनों के आड़े नहीं आ सकता। यह हर अविवाहित बेटी का अधिकार है, चाहे उसका धर्म कुछ भी हो। किसी भी धर्म के आधार पर इस तरह के अधिकार में भेदभावपूर्ण व्यवहार नहीं किया जा सकता है। खंडपीठ ने एक पिता के खिलाफ दो अविवाहित बेटियों की याचिका पर ये फैसला सुनाया है। याचिका दायर करने वाली दोनों बेटियों ने अपनी शादी के खर्च के लिए 45.92 लाख रुपये की राशि की डिक्री जारी करने और अपने पिता की संपत्ति पर डिक्री की मांग करते हुए एक पारिवारिक अदालत का रुख किया था। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों बेटियों ने अपनी अर्जी में अपने पिता को उस संपत्ति को अलग करने से रोकने के लिए एक अस्थायी निषेधाज्ञा भी मांगी, जिसका उन्होंने दावा किया था कि उनकी मां और उनके परिवार की वित्तीय मदद से वह संपत्ति खरीदी गई थी। पारिवारिक अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता शादी के लिए केवल न्यूनतम आवश्यक खर्चों का दावा करने की हकदार हैं। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा कि ?7.5 लाख की राशि की कुर्की बेटियों के हितों की रक्षा के लिए पर्याप्त होगी। दोनों लड़कियों ने कोर्ट को बताया कि दोनों उच्च अध्ययन कर रही हैं और उनके पिता ने उसके लिए किसी तरह की आर्थिक मदद नहीं की है। पिता ने हाई कोर्ट में दावा किया था कि उनकी बेटियाँ और उनकी मां पेंटाकोस्ट ईसाई हैं और यह समुदाय गहनों के उपयोग में विश्वास नहीं करता है। इसलिए, आमतौर पर शादियों के लिए सोने के गहनों का खर्च उनकी बेटियों के मामले में सटीक नहीं बैठता है। इस पर कोर्ट ने बिना धार्मिक भेदभाव के अविवाहित बेटियों को उचित विवाह खर्च पाने का हकदार माना।

दिल्ली की ये अवैध कॉलोनियां सीवर लाइन से जुड़ेंगी, एके सरकार का फैसला

नई दिल्ली। यमुना को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए सरकार ने अनाधिकृत कॉलोनियों में सीवर लाइन बिछाने का काम तेज कर दिया है। जल मंत्री सौरभ भारद्वाज ने तीन विधानसभा क्षेत्रों की 11 अनधिकृत कॉलोनियों में सीवर लाइन बिछाने को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि 2025 तक यमुना को प्रदूषण मुक्त करना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। उसी कड़ी में दिल्ली की सभी अनधिकृत कॉलोनियों को सीवर लाइन से जोड़ा जाएगा। जल मंत्री सौरभ भारद्वाज ने जल बोर्ड को आंबेडकर नगर और देवली विधानसभा क्षेत्र की अनधिकृत कॉलोनियां में 25.5 किलोमीटर

लंबी सीवर लाइन बिछाने को मंजूरी दी है। परियोजना को पूरा करने में कुल 26.66 करोड़ रुपये की लागत आएगी। सीवर लाइन पड़ने के साथ इलाके के तीन लाख लोगों को सीवर की समस्या से राहत मिलेगी। जल मंत्री ने बताया कि पहले यह काम किसी और कंपनी को दिया गया था, लेकिन काम करने में देरी के चलते अब यह काम किसी दूसरी कंपनी को सौंपा गया है। पहली कंपनी ने यहां पर 56 फीसदी काम किया है। जल बोर्ड अधिकारियों ने बताया कि इस योजना के तहत आंबेडकर नगर में 9 और देवली में 2 अनधिकृत कॉलोनियों को सीवर लाइन से जोड़ा जाएगा। राजधानी में डॉर्क स्पॉट खत्म करने के लिए 70 हजार अतिरिक्त स्ट्रीट लाइट लगाई जाएंगी। मुख्यमंत्री स्ट्रीट लाइट योजना के तहत शहर विकास मंत्री सौरभ भारद्वाज ने मंगलवार को बैठक में दिल्ली की सभी 70 विधानसभाओं में एक-एक हजार स्ट्रीट लाइट लगाने की मंजूरी दी है। भारद्वाज ने कहा कि वर्ष 2019 में सीएम अरविंद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री स्ट्रीट लाइट योजना की घोषणा करते हुए दिल्ली में 2.10 लाख स्ट्रीट लाइटें लगाने का लक्ष्य रखा था। शहर में 10, 20 व 40 वाट की एलईडी लाइट लगाई जा रही हैं।

दिल्ली-एनसीआर में गर्मी से राहत, तेज हवाएं और आसमान में बादलों का डेरा

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में मौसम ने एक बार फिर करवट बदली है। मंगलवार को जहां तेज गर्मी से लोगों को राहत नहीं मिली थी वहीं बुधवार की सुबह दिल्ली-एनसीआर में मौसम अचानक सुहाना हो गया। सुबह से ही चल रही ठंडी हवाओं की वजह से लोगों को तपिश से काफी राहत मिली है। कई इलाकों में आसमान में बादल भी नजर आए। इससे पहले मौसम विभाग ने अनुमान भी जताया था कि बुधवार से गुरुवार तक दिल्ली के आसमान में बादल छाये रहेंगे। इसके अलावा कुछ जगहों पर हल्की बारिश का अनुमान भी जताया गया था। दिल्ली-एनसीआर में आज सुबह की शुरुआत तेज हवाओं से हुई है। मौसम विभाग के मुताबिक, दिल्ली और उसके आसपास के क्षेत्रों में आज और कल आसमान में बादलों का डेरा हो सकता है। अनुमान है कि इससे अधिकतम तापमान में 3 डिग्री सेल्सियस तक की कमी आएगी। इसके अलावा कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में आज अधिकतम तापमान 38 और न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस तक रह सकता है। इसके अलावा 30 से 40 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। मौसम का हाल बताने वाली स्काईमेट के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर के ऊपर ठंडे और गर्म बादलों का मिश्रण बना हुआ है। इसकी वजह से उत्तर-पश्चिमी भारत के मैदानी इलाकों में आंधी और बारिश के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनी हैं। अनुमान जताया गया है कि 19 से 21 अप्रैल के बीच दिल्ली-एनसीआर में गरज-चमक के साथ आंधी चल सकती है और बारिश का भी अंदेशा है। इसके अलावा पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के कुछ हिस्सों में भी हल्की बारिश होने का अनुमान है। इससे पहले राजधानी में मंगलवार को भी तापमान में किसी प्रकार की कमी देखने को नहीं मिली। मौसम विभाग के अनुसार बुधवार से गुरुवार तक दिल्ली के आसमान में बादल छाये रहेंगे। इसके साथ कुछ जगहों पर हल्की बारिश होने की संभावना है। इससे तापमान में तीन डिग्री तक की कमी आने से राहत के आसार हैं।

महिलाओं पर प्रतिबंध को लेकर तालिबान से नाराज हुआ संयुक्त राष्ट्र, हाथ खींचने की दी चेतावनी

काबुल। संयुक्त राष्ट्र ने तालिबान को कड़ा संदेश देते हुए कहा है कि अगर यहां की स्थानीय महिलाओं को संगठन के लिए काम करने की अनुमति नहीं दी गई तो अफगानिस्तान से यूएन अपना हाथ खींच लेगा। यूएन डिवेलपमेंट प्रोग्राम के हेड ने यह बात कही है। जानकारी के मुताबिक यूएन इस बारे में अगले महीने कोई फैसला ले सकता है। यूएनडीपी ऐडमिनिस्ट्रेटर अचिन स्टेनर ने कहा, यह सही है कि हम जहां भी काम कर रहे हैं वहीं की सहयोग की क्षमता की समीक्षा करना जरूरी है लेकिन जहां बात मौलिक सिद्धांतों और मानवाधिकारों की आती है, वहां समझौता नहीं किया जा सकता। यूएन ने तालिबान के रवैये पर गहरी चिंता जताई है। यहां यूएन की महिला स्टाफ को काम करने से रोकने

पर यूएन ने नाराजगी जाहिर की है। संयुक्त राष्ट्र ने कहा, बिना महिला कर्मचारियों के जीवन रक्षक कार्यों में बाधा आएगी लेकिन नांगरहार प्रांत में महिलाओं को तालिबान के लोग काम नहीं करने देते हैं। उनपर प्रतिबंध लगाकर रखा है। यूएन ने कहा, अफगान में काबिज सत्ता को यह जानकारी दे दी गई है कि बिना महिला कर्मचारियों के यूएन काम नहीं कर सकता। बता दें कि अगस्त 2021 में जब से अमेरिका ने अपनी सेना को अफगानिस्तान से हटा लिया था, यहां तालिबान राज कर रहा है। इसके बाद तालिबान ने यहां की जनता पर कई प्रतिबंध भी लगाए हैं। खास तौर पर महिलाओं पर बाहर निकलने, शिक्षा और काम करने पर प्रतिबंध लगाए गए हैं। बता दें कि तालिबान ने दावा किया था कि वह इस बार महिलाओं पर प्रतिबंध नहीं लगाएगा और उन्हें पढ़ाई व काम करने की छूट देगा। हालांकि सत्ता पर काबिज होने के कुछ दिन बाद ही तालिबान ने असली रंग दिखाना शुरू कर दिया। तालिबान ने दफ्तरों से महिलाओं की छुट्टी कर दी और कोएड स्कूल भी बंद कर दिए। अब महिलाओं के लिए अवसर बहुत सीमित कर दिए गए हैं। कुछ जगहों पर घरों में महिलाओं केलिए क्लास चलाई जाती है जहां पुरुष नहीं जा सकते हैं।

मध्य प्रदेश में भी 500 रु. में सिलेंडर का वादा, एमपी चुनाव से पहले कांग्रेस के ये 5 बड़े ऐलान

भोपाल। साल के आखिरी में मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में कांग्रेस ने चुनावों को लेकर कई बड़े वादे कर दिए हैं। इन वादों के अनुसार, मध्य प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने पर घरेलू एलपीजी सिलेंडर 500 रुपए में दिया जाएगा। इसके साथ ही कांग्रेस ने महिलाओं को हर महीनें 15 सौ रुपए भी दिए जाएंगे। इसी के साथ एमपी में किसानों की कर्जमाफी को लेकर भी कांग्रेस ने वादा किया है। बता दें कि राजस्थान में कांग्रेस की गहलोत सरकार ने वादा किया था कि राज्य में 1 अप्रैल से 500 रुपए में एलपीजी सिलेंडर दिया जाएगा और वहां लोगों को सिलेंडर पांच सौ रुपए में मिलने लगा है। ऐसे में कांग्रेस ने मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले कई बड़े वादे किए हैं।

100 रुपए में 100 यूनिट बिजली

कांग्रेस ने एमपी में सरकार बनने पर राज्य के लोगों को सस्ती बिजली देने का भी वादा किया है। कांग्रेस के अनुसार, राज्य में सरकार बनने पर राज्य के सभी परिवारों को सौ रुपए में सौ यूनिट बिजली दी जाएगी। बता दें कि दिल्ली में आप की अरविंद केजरीवाल सरकार दो सौ यूनिट तक बिजली मुफ्त दे रही है।

ओल्ड पेंशन स्कीम

कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश में विधानसभा

इसी के साथ एमपी में किसानों की कर्जमाफी को लेकर भी कांग्रेस ने वादा किया है।

चुनाव से पहले ओल्ड पेंशन स्कीम का वादा किया था। सरकार बनने के बाद वहां ओल्ड पेंशन स्कीम लागू भी कर दी गई है। अब मध्य प्रदेश में भी ओल्ड पेंशन स्कीम को लेकर कांग्रेस ने वादा कर दिया है। कांग्रेस के वादे के अनुसार, राज्य में सरकार बनने पर यहां भी कर्मचारियों के लिए ओल्ड पेंशन स्कीम लागू की जाएगी।

किसानों की कर्जमाफी

कांग्रेस ने राज्य में सरकार बनने पर किसानों की कर्जमाफी का भी वादा किया है। कांग्रेस के वादे के अनुसार, प्रदेश में सरकार बनने पर राज्य के किसानों का कर्ज माफ कर दिया जाएगा।

महिलाओं को 1500 रुपए

कांग्रेस ने अपने वादे में महिलाओं को भी शामिल किया है। कांग्रेस के वादे के अनुसार, राज्य में सरकार बनने पर प्रदेश की महिलाओं को 1500 रुपए हर महीने दिए जाएंगे। कांग्रेस ने वादा किया है कि हर महिला को 1500 रुपए दिए जाएंगे और इसके लिए कोई शर्त नहीं रखी जाएगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

मातृहंता!

यह कृतघ्नता की पराकाष्ठा है! दिल्ली के कीर्ति नगर इलाके के मानसरोवर गार्डन में लंदन से लौटे एक बेटे ने दौलत की खातिर बिस्तर से लगी बूढ़ी मां का जिस तरह कत्ल किया, और जो ब्योरे अब सामने आए हैं, वे हतप्रभ करने वाले हैं। 78 साल की बूढ़ी और लाचार महिंदर कौर के यह गुमान में भी नहीं होगा कि जिसे अपनी कोख से जन्म दिया, पाला-पोसा और अपने बुढ़ापे का सहारा के तौर पर देखा, वही उनका कातिल बन जाएगा! वह बूढ़ी मां कितनी तड़पी होगी, फ्लैट के गेट तक उसने अपनी जर्जर काया को कैसे खींचा होगा, यह सोचकर ही सिहरन पैदा हो जाती है। चंद रोज पहले हुई इस वारदात को आरोपी बेटे ने दुर्घटना बताने की कोशिश की थी, मगर मौका-ए-वारदात के साक्ष्यों ने जांच दल के मन में शुरुआत में ही शुब्हा पैदा कर दिया था, और अब तफ्तीश के बाद हुए खुलासे इस दुनिया के सबसे पवित्र रिश्ते को कठघरे में खड़ा कर गए हैं।यह पहली वारदात नहीं है, जब किसी बेटे ने ऐसे नृशंस कृत्य को अंजाम दिया हो। नवंबर 2022 में दिल्ली के ही पालम इलाके में एक 25 साल के युवक ने अपने माता-पिता, दादी और बहन की चाकू गोदकर हत्या कर दी थी। मगर इन दोनों अपराधों के बीच जीवन-स्तर, परवरिश, आर्थिक हैसियत और उम्र का एक बड़ा फासला है। पालम कांड का आरोपी बेरोजगार युवा और नशे की गिरफ्त में था, जबकि मानसरोवर गार्डन राजधानी की पॉश कॉलोनियों में शुमार होती है, आरोपी शख्स की उम्र भी दोगुनी है और वह लंदन में अपने दूसरे भाई-बहन के साथ रहता था। ये ब्योरे बताते हैं कि हमारे परिवार में खून के रिश्ते भी अब कितने खोखले होते जा रहे हैं और हमें अपने मूल्यों के प्रति किस कदर संवेदनशील होने की जरूरत है। एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक, साल 2021 में बिहार में सबसे ज्यादा 815 लोगों की हत्या जमीन व मिल्कियत के लिए हुई, तो उत्तर प्रदेश में भी ऐसी हत्याओं का आंकड़ा सैकड़ों में था। जाहिर है, ऐसी ज्यादातर हत्याओं के आरोपी रक्त संबंधी ही होते हैं। इसलिए सरकारों और समाज-शात्रियों को इस घातक प्रवृत्ति पर गहन विमर्श करने की जरूरत है।मानसरोवर गार्डन की घटना एक अन्य विडंबना को भी उजागर करती है। माता-पिता अपने बच्चों के लिए ऊंचे-ऊंचे ख्वाब संजोते हैं। उन्हें साकार करने के लिए वे अपनी जिंदगी में तमाम तरह के समझौते करते हैं, लेकिन जब बच्चे किसी अन्य मुल्क में चले जाते हैं, तो उनमें सिर्फ भौगोलिक दूरियां ही नहीं आती, नजरिये में भी फर्क आता है। एक बड़ी संख्या में महिंदर कौरों की जिंदगी तन्हा अपने बच्चों की राह तकते गुजर जाती है। ऐसी अनगिनत गाथाएं इसी अखबार की सुर्खियां बन चुकी हैं, जिनमें परदेसी बच्चों के एकाकी मां-बाप अपने फ्लैट या मकान में कंकाल-रूप में बरामद हुए। यह दुराव भूगोल और संसाधनों से अधिक रिश्तों से अपनाइयत के खत्म होते जाने का है। निस्संदेह, सभी बच्चे एक से नहीं होते और हमें अपने बच्चों के लिए बेहतर ख्वाब देखने ही चाहिए, मगर इसके साथ ही उनके भीतर मानवता हमेशा जिंदा रहे, इसका उद्यम भी करते रहना चाहिए। सुदूर मुल्कों में गए अपनों से संवाद बनाए रखें, उन्हें उनकी जिम्मेदारियों का एहसास भी कराते रहें, ताकि वे हमारे पारिवारिक मूल्यों से गाफिल न होने पाएं। श्रवण कुमारों के इस देश में कुपुत्र व मातृहंता हमेशा से रहे हैं, मगर ये अपवाद ही रहें, यही प्रयास होना चाहिए।

आज का राशीफल

मेष अर्थिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। अपनों से तनाव मिलेगा।

कर्क व्यावसायिक योजना सफल होगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। आय और व्यय में एक संतुलन बना कर रखें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन लाभ की संभावना है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें।

तुला व्यावसायिक तथा आर्थिक प्रयास सफल होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृश्चिक आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। अनावश्यक खर्चों का सामना करना पड़ेगा। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। संतान के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

धनु व्यावसायिक तथा आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खान-पान में संयम रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। विरोधियों का पराभव होगा।

मकर पारिवारिक जनों से पीड़ा मिल सकती है। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रियजन पीड़ा मिल सकती है।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। विरोधी परास्त होंगे।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

हाइड्रोजन मिशन से पर्यावरण लक्ष्य पाने की व्यवहार्यता

प्रीतम सिंह, साइमन पिरानी

केंद्रीय सरकार द्वारा गत जनवरी में अपनाया गया नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन एक प्रमुख नीतिगत पहल है, और इसे भारतीय राजनीति की कमी ही कहेंगे कि इस नीति पर जितनी सार्वजनिक बहस की जानी बनती थी, वह नहीं हो पायी। इस पहल पर, भारत की विपक्षी पार्टियों के आलोचनात्मक मूल्यांकन की अनुपस्थिति, जिसका भारत के प्रगति पथ पर काफी असर हो सकता है, हैरानीजनक । सरकार उन कंपनियों को सब्सिडी देने की पेशकश कर रही है जो हाइड्रोजन हब स्थापित करेंगी, लेकिन यह काम किस तरह से पर्यावरण नीति और सामाजिक न्याय ध्येय के अनुरूप है, इसकी व्याख्या होना बाकी है। हाइड्रोजन मिशन के मुताबिक, बड़ी कंपनियां जैसे कि रिलायंस और इंडियन ऑयल को इस मद में रखे गए 20000 करोड़ का फंड पाने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। इलेक्ट्रॉलाइज़र बनाने के लिए पैसा अलग से रखा गया है, जो कि ग्रीन हाइड्रोजन बनाने के लिए जरूरी है, फिर खाद एवं स्टील उत्पादकों को इन्हें खरीदने के लिए सब्सिडी का प्रावधान है। लेकिन जिस अति उत्साह और जोर-शोर से हाइड्रोजन मिशन का ऐलान किया गया है, वह गैर-वाजिब उम्मीदें बढ़ाता है। दरअसल, विदेश मंत्रालय का हालिया दावा कि भविष्य में ग्रीन हाइड्रोजन हमारी ऊर्जा जरूरतों का मुख्य स्रोत रहेगी, शायद ही कभी फलीभूत हो पाए। यदि सरकार 10 मिलियन टन ग्रीन हाइड्रोजन प्रति वर्ष बनाने का ध्येय पूरा कर भी ले, तो भी यह कोयले से प्राप्त ऊर्जा का 15वां हिस्सा भर होगा। सरकारी फाइलों में सरपट दौड़ रहे इस विचार कि भारत हाइड्रोजन का मुख्य निर्यातक भी बन जाएगा, पर भी संशय है। यदि खाद निर्माण और तेल रिफाइनरी में प्रयुक्त मौजूदा ग्रे हाइड्रोजन को हरित हाइड्रोजन से बदलना है तो भारत को हर साल 60 लाख टन ग्रीन हाइड्रोजन की जरूरत पड़ेगी। ग्रे-हाइड्रोज का उपयोग बंद करना एक प्राथमिकता है, यह वैश्विक तापमान बढ़ोतरी में दुःस्वप्न की तरह है क्योंकि प्रत्येक उत्पादित ग्रे-हाइड्रोजन के पीछे 10-18 टन कार्बन डाइऑक्साइड वातावरण में घुलती है।हाइड्रोजन निर्यातक बनने का सपना पालने से पहले, भारत को यह भी आकलन करना होगा कि क्या प्रतिवर्ष 16 करोड़ टन कोयले के उपयोग और 30 बिलियन क्यूबिक मीटर आयातित गैस के विकल्प लायक मात्रा बनाना संभव भी है। ग्रीन हाइड्रोजन इलेक्ट्रोलिसिज़ नामक प्रक्रिया से बनती है- इसमें पानी में करंट छोड़ा जाता है- इसके लिए बिजली अक्षय ऊर्जा स्रोतों, जैसे कि पवन या सौर अथवा जल ऊर्जा से पाने की योजना है। तभी तो इस प्रक्रिया में ग्रीन हाउस गैस का सीधा उत्सर्जन नहीं होगा, हालांकि मूल अवयव के तौर पर बिजली और पानी बहुत प्रचुर मात्रा में लगता है। हाइड्रोजन बनाने की तुलनात्मक लागत और स्रोतों पर पड़ने वाले असर को लेकर एक सार्वजनिक बहस फौरी तौर पर की जाने की जरूरत है, यह इस पर भी होनी चाहिए कि क्या हाइड्रोजन पर निवेश करने से हमें मौसम में हो रहे बदलावों और सामाजिक असमानता को थामने में मदद मिलेगी। लागत की बात करें तो केंद्रीय अक्षय ऊर्जा मंत्रालय का दावा है कि वर्ष 2026 से पहले ही ग्रीन हाइड्रोजन की कीमतें ग्रे हाइड्रोजन से मुकाबला करने लायक हो जाएंगी। यह एक जोखिमभरा दावा है क्योंकि फिलहाल ग्रीन हाइड्रोजन की कीमत 3-8 डॉलर प्रति किग्रा. के बीच है, जबकि ग्रे हाइड्रोजन 0.8-1.7 डॉलर प्रति किग्रा. तैयार होती है। बेशक अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी का अनुमान है कि ग्रीन हाइड्रोजन का मूल्य 1.4-3.2 डॉलर प्रति किलो तक गिर सकता है लेकिन यह वर्ष 2050 तक ही संभव हो पाएगा। हालांकि अंतर्राष्ट्रीय अक्षय ऊर्जा एजेंसी का रुख कहीं ज्यादा आशावादी है और इसका मानना है कि शायद वर्ष 2030 तक ग्रीन हाइड्रोजन की कीमत 2 डॉलर प्रति किलोग्राम तक गिर सकती हैं बता दें कि यहां शब्द 'शायद' है न कि 'पक्का। दूसरी ओर बाजार वस्तु एवं विश्लेषक एजेंसी सीआरयू का कहना है कि उन्हें नहीं लगता कि ग्रीन हाइड्रोजन की कीमतें 2050 तक भी 3 डॉलर प्रति किग्रा. से नीचे आ पाएं। विगत में भी बाजार के कयास कई बार मौसम में बदलावों से निपटने में विफल रह चुके हैं, और पूरा खतरा है कि एक बार पुनः असफल हो सकते हैं। अक्षय ऊर्जा मंत्रालय यह दावा करता है कि भारत अक्षय ऊर्जा से प्रचुर मात्रा में बिजली निर्यात कर पाएगा लेकिन ऊर्जा क्षेत्र में अनुसंधान करने वाले ऐसे दावों के प्रति सावधानी बरतने को कहते हैं। फ्लोरेंस स्कूल ऑफ रेग्यूलेशन के अनुसंधानकर्ताओं का अनुमान है कि नेशनल ग्रीन ग्रिड मिशन को चालू रखने में भारत को हर साल 50 बिलियन लीटर लवणमुक्त पानी की जरूरत पड़ेगी और भारत के अनेक भाग पहले ही जल-संकटमय हैं। एनर्जी एंड रिसोर्स इंस्टिट्यूट (टेरी) के विश्लेषक चेताते हैं कि बेकार पड़ी भूमि की कमी भी सौर एवं पवन ऊर्जा क्षमता बनाने में रोड़ा बनेगी। इलेक्ट्रॉलाइज़र का सीमित उत्पादन, किल्लत की एक अन्य वजह रहेगा। फिलहाल, विश्व के इलेक्ट्रॉलाइजर उत्पादक हर साल 8 गीगावॉट ऊर्जा बनाने जितनी क्षमता के मॉडल ही बना पा रहे हैं। इस हिसाब से 12 साल तो केवल इन्हें पाने में लगेंगे, जबकि स्वदेशी इलेक्ट्रॉलिसिस क्षमता का उत्पादन नगण्य है। सवाल यह भी कि खतरनाक मौसम बदलावों को टालने में योगदान के लिए क्या भारत हाइड्रोजन को तरजीह दे या कोयले के विकल्प के रूप में अक्षय ऊर्जा का इस्तेमाल करना चाहिए? हाइड्रोजन मिशन का ध्येय है 2030 तक ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन प्रति वर्ष 5 लाख टन ले जाना, जिसको बनाने के लिए लगभग 120-125 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा उत्पादन क्षमता की जरूरत पड़ेगी। इसका मतलब कि सौर पैनल्स और विंड फार्मों से जितनी ऊर्जा भारत फिलहाल पाता है, उसको दुगुना करना होगा। लेकिन यह कहना कि ग्रीन हाइड्रोजन से प्राप्त बिजली ग्रिड बनने से भारत 30-40 कोयला आधारित बड़े ताप बिजलीघर सेवामुक्त कर पाएगा और इससे कोयला जलाने और कोयले का आयात घटाने, वैश्विक तापमान बढ़ोतरी और वायु प्रदूषण कम करने में मदद मिलेगी, अभी दूर की कौड़ी है। टेरी की एक रिपोर्ट कहती है - अक्षय ऊर्जा का इस्तेमाल करके हाइड्रोजन बनाना ऊर्जा-खपतकारी प्रक्रिया है। जहां तक संभव हो परोक्ष विद्युतीकरण को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। यह इसलिए भी, क्योंकि यदि आप ऊर्जा की 10 यूनिट (बिजली) ग्रीन हाइड्रोजन बनाने में इस्तेमाल करते हैं तो यूं बनकर मिली हाइड्रोजन, बिजली की 7 यूनिट ऊर्जा के बराबर होगी। यदि इसे दूसरी जगह ले जाने को सम्पीड़ित करें तो इसमें बिजली की 3 यूनिट और खपेंगी। ऐसे में बिजली को पहले हाइड्रोजन में तब्दील करने की बजाय सीधा इस्तेमाल करना ऊर्जा-दक्षता के हिसाब से सदा ज्यादा व्यावहारिक होता है। विशेषज्ञ राय के बावजूद, हाइड्रोजन उत्पादकों की बनाई बिजली को तरजीह देकर खरीदने की पेशकश की जा रही है। होना तो यह चाहिए कि खतरनाक पर्यावरण बदलावों को नाथने की लड़ाई उन नीतियों के साथ हाथ मिलाकर चले जो सामाजिक असमानता का भी हल निकालती हों। भारत के हाइड्रोजन को लेकर उत्साही पक्ष में रिलायंस इंडस्ट्री भी एक है, जो ऑस्ट्रेलिया में इसके उत्पादन में निवेश करने पर विचार कर रही है। इसके अलावा इंडियन ऑयल कंपनी है जिसका कहना है कि अगले दशक तक जो भी हाइड्रोजन यह बनाएगी, उसमें आधे से ज्यादा हिस्सा ग्रीन हो। पिछले साल, अडानी ग्रुप ने भी फ्रांस की कंपनी टोटल एनर्जी के साथ मिलकर 50 बिलियन डॉलर हाइड्रोजन संवर्धन में लगाने की घोषणा की थी। लेकिन हिंडनबर्ग प्रसंग के बाद यह ठंडे बस्ते में है। दरअसल, पर्यावरण और विकास ध्येयों की पूर्ति के लिए हाइड्रोजन का इस्तेमाल करने में उक्त विषयों का हल निकालना जरूरी है।

प्रीतम सिंह ऑक्सफोर्ड ब्रुक्स बिज़नेस स्कूल में प्रोफेसर एमीरेटस हैं और साइमन पिरानी, यूनिवर्सिटी ऑफ डरहैम, यूके में मानद प्रोफेसर हैं।

शब्दों की असीम शक्ति से संवारिये ज़िंदगियां

अंतर्मन/ योगेन्द्र नाथ शर्मा 'अरुण'

समाज में आज सर्वत्र आपको ऐसे लोग सरलता से मिल जाएंगे, जो बिना कारण आपको हतोत्साहित करके आपके कार्य से विमुख करना चाहेंगे। आप कोई परीक्षा देना चाहें और आपके आसपास के किसी व्यक्ति को इस का पता चल जाए, तो आते ही भाषण देने लगेगा कि यार तुम भी क्या सठिया गए हो? अब परीक्षा देने की भला क्या तुक है? मज़ा करो, फेल हो जाओगे तो बेकार में बदनामी और जगहंसाई होगी। हिम्मत बंधाना तो दूर की बात है, वे हज़ार बुराइयां और मुसीबत निकाल देंगे। ऐसे तो बस, विरले ही मिलते हैं, जो आपकी तारीफ करें और कहें कि बहुत अच्छी बात है। कोई मुश्किल हो तो हम मदद करेंगे, परीक्षा जरूर दो। मनोविज्ञानी कहते हैं कि समाज में कुछ लोग ऐसे होते हैं, जो अकारण 'विघ्न संतोषी' होते हैं। मंथरा की तरह उन्हें किसी की खुशी अच्छी ही नहीं लगती। ये व्यक्ति वस्तुतः अकर्मण्य होते हैं और इनका चिंतन समाज में सदैव नकारात्मक ही रहता है। ये खुद तो जीवन में कभी सफल हो नहीं पाते, इसीलिए किसी और की सफलता इन्हें कतई नहीं सुहाती। आज मुझे एक बड़ी ही रोचक और प्रेरक बोध-कथा पढ़ने को मिली, जो ऐसे ही विघ्न संतोषियों के चरित्र को उजागर करती है और सिद्ध करती है कि किसी के सकारात्मक शब्द जीवन में कैसे संजीवनी बन जाते हैं। यह बोध-कथा इस प्रकार है :- 'एक नौजवान चीता पहली बार जंगल में शिकार करने निकला। अभी वो कुछ ही आगे बढ़ा था कि एक चालाक लकड़बग्घा आया और उसे रोकते हुए बोला, 'अरे छोटू राजा! कहां जा रहे हो अकेले-अकेले?''मैं तो आज पहली बार अकेले अपने दम पर शिकार करने निकला हूं!' नौजवान चीता बहुत रोमांचित होते हुए बोला। चालाक लकड़बग्घा उपेक्षा से बोला— 'छोटू जी! अभी तो तुम्हारे खेलने-कूदने के दिन हैं। तुम अभी बहुत छोटे हो और तुम्हे शिकार करने का कोई अनुभव भी तो नहीं है। तुम भला क्या शिकार करोगे?' लकड़बग्घे की बात सुनकर युवा चीता उदास हो गया। दिनभर शिकार के लिए वो बेमन इधर-उधर घूमता रहा। उसने कुछ एक प्रयास भी किये, पर सफलता नहीं मिली और उसे भूखे पेट ही घर लौटना पड़ा। अगली सुबह वो एक बार फिर शिकार के लिए निकला। कुछ दूर जाने पर उसे एक उदारमना बूढ़े बन्दर ने देखा और पूछा 'कहां जा रहे हो बेटा?' 'बंदर मामा, मैं आज अकेले शिकार पर जा रहा हूं।' चीता उत्साह में भर कर बोला। बंदर मामा युवा का उत्साह देख प्रसन्न होकर बोला, 'बहुत अच्छे। अपने बाप की तरह तुम में भी खूब ताकत और गति है। इनके कारण तुम तो बेहद कुशल शिकारी बन सकते हो। जाओ, तुम्हें जंगल में जल्द ही बड़ी सफलता मिलेगी।' बूढ़े बंदर मामा की यह बात सुनकर युवा चीता उत्साह से भर गया और कुछ ही समय में उसने एक छोटे हिरन का शिकार कर लिया। आज उसे अपनी ताकत का अहसास हो गया और उसका आत्मविश्वास लौट आया।'सच मानिए! हमारी ज़िन्दगी में 'शब्द' बहुत महत्व रखते हैं। दोनों ही दिन चीता तो वही था, उसमें वही फूर्ति और वही ताकत थी, लेकिन जिस दिन उसे चालाक लगड़बग्घे द्वारा हतोत्साहित किया गया, उस दिन वो असफल हो गया और जिस दिन उदार बंदर मामा ने उसे प्रोत्साहित किया, वो सफल हो गया। इस कथा का मर्म यह है कि हमें जब सकारात्मक सोच वाले व्यक्ति सलाहकार के रूप में मिल जाएंगे, हम सफल हो जाएंगे और जब-जब निकम्मे और नकारात्मक चिंतन वालों से हम मिलेंगे, हमारी हिम्मत टूटती जाएगी। बड़ों ने कहा है, 'गिरते हैं सहसवार ही मैदान जंग में, जिसने लगाई ऐड़, वो खंदक के पार था।' इस कथा से यह सीख मिलती है कि हम अपने शब्दों से किसी को भी 'हतोत्साहित' कदापि न करें, बल्कि सहयोगी बनकर हिम्मत बढ़ाएं। साथ ही, हम ऐसे लोगों से बचें, जो हमेशा नेगेटिव सोचते और बोलते हों। समाज मे उनका साथ करें, जिनका दृष्टिकोण सकारात्मक हो। हमें सोचना होगा

शब्द बहुत ताकतवर होते हैं और 'शब्द' ही हमारे विचार बन जाते हैं। हमारे विचार ही हमारी ज़िन्दगी की हकीकत बन कर सामने आते हैं इसलिए शब्दों की शक्ति को पहचान कर सकारात्मक शब्दों का प्रयोग करें। ये शब्द हमारी ज़िन्दगी बदल सकते हैं! याद रखिए :-

'शब्द 'ब्रह्म' होता सखे, शक्ति लिए अपार।
साहस जब दे शब्द तो, बदल जाय संसार।'

विचार मंथन

सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को उसकी हद बताई

(लेखक - सनत जैन)

सुप्रीम कोर्ट की 5 सदस्यों वाली संविधान पीठ में समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता दिए जाने की 21 याचिकाओं की सुनवाई चल रही है। इस खंडपीठ में मुख्य न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति एसके कोल, न्यायमूर्ति एसआर भट्ट, न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति पीएस नरसिंम्हा शामिल हैं। सुनवाई शुरू होने के साथ ही केंद्र सरकार की ओर से पेश सालिस्टर जनरल तुषार मेहता ने अदालत से कहा, इस या चिका के मुद्दे को तय करने का अधिकार संसद के पास है। अदालत इसे नहीं सुने। उन्होंने केंद्र सरकार का पक्ष रखते हुए कहा कि कुछ लोगों के जिरह में शामिल होने का यह मतलब नहीं है, कि वह अन्य लोगों का भी प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले न्यायालय को यह तय करना चाहिए कि उसे सुनवाई का अधिकार है या नहीं। इस पर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और अन्य जज काफी नाराज हुए। उनका कहना था कि आप हमें नहीं बता सकते हैं कि हमें किस मामले की सुनवाई करनी है, या नहीं करनी है। या चिका पर फैसला किस तरह से करना है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम सही वक्त आने पर आपको भी सुनेंगे, सभी पक्षों को सुनने के बाद ही सुप्रीम कोर्ट निर्णय करेगी। पिछले 8-9 वर्षों में सरकार के अ धिवक्ता सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में न्यायालय की अधिकारिता, राष्ट्रीय सुरक्षा ओर गोपनीयता को आधार बनाकर न्यायालय से बचने का प्रयास करती हैं। पिछले कई वर्षों में सरकार न्यायालय इस तरह से दलील देकर जिम्मेदारी से बचती रही है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के बनने के बाद सुप्रीम कोर्ट का रुख बदला हुआ नजर आ रहा है। न्यायालय में जब कोई भी पक्ष या चिका लेकर आता है, उसे सुनना है या नहीं, यह अधिकार न्यायालय का है। नाकि सरकार का है। संसद और न्यायपालिका के अधिकार अलग-अलग हैं। संसद कानून बना सकती है। उसकी समीक्षा का अधिकार सं विधान ने न्यायपालिका को ही दिया है। संसद में बहुत सारे कानून भीड़तंत्र के दबाव में सरकार बना देती है। कानून एवं उसके नियम संविधान और मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करने वाले होते हैं। इसको देखने का काम न्यायपालिका का है। विधायिका और कार्यपालिका को संविधान ने असीम शक्तियां दी हैं। वह अपने कामकाज को संवैधानिक तरीके से करें। न्यायपालिका को विधायिका और कार्यपालिका द्वारा बनाए गए कानून और नियमों के तहत कार्य किया जा रहा है या नहीं इसकी समीक्षा का अधिकार केवल न्यायपालिका का है। न्यायपालिका की सीमा सरकार तय नहीं कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने न्यायपा लिका के अ धिकार सरकार को अच्छे तरीके से समझा दिया है। गुजरात सरकार भी सुप्रीम कोर्ट के मांगने के बाद भी बिलकिस बानो प्रकरण के अपराधियों को जेल से समय पूर्व छोड़े जाने और पैरोल दिए जाने के मामले की फाइलें तलब की थी। लेकिन गुजरात सरकार फाइलें प्रस्तुत नहीं कर रही थी। इस पर भी सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी लताड़ लगाते हुए गुजरात सरकार को अवमानना की कार्रवाई करने की चेतावनी देनी पड़ी। पिछले कुछ वर्षों में बंद लिफाफे, सरकार की सर्वोच्चता, न्यायाधीशों की नियुक्ति, संविधान से ऊपर विधायिका की आड़ लेकर न्यायपालिका को कमजोर करने का प्रयास लगातार हो रहा है। पिछले कुछ महीनों में न्यायपा लिका की स्थिति में सुधार आ रहा है। न्यायपालिका का स्पष्ट रुप से मानना है कि जब दो पक्ष न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत होते हैं। तब इसमें गोपनीयता जैसी कोई बात नहीं होती है। न्यायपालिका, संविधान-कानून और नियम के अनुसार ही सुनवाई कर निर्णय करती है। सरकार सत्य को छुपाना चाहती है। इसे सुप्रीम कोर्ट बर्दाश्त नहीं कर पा रही है। सुप्रीम कोर्ट के इस रुख से लोगों का एक बार फिर न्यायपालिका के ऊपर विश्वास बढ़ता हुआ दिख रहा है। सबसे अच्छी बात यह है कि न्यायपालिका के खिलाफ,मंत्रियों और उपराष्ट्रपति द्वारा जो बयान समय-समय पर दिए गए थे, उस पर न्यायपालिका द्वारा कभी कोई टिप्पणी नहीं की। उल्टे सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को पारदर्शिता का पाठ पढ़ाने के लिए कॉलेजियम द्वारा जजों की नियुक्ति की प्रक्रिया को सार्वजनिक करके उल्टे सरकार की मुश्किलें बढ़ाने का काम किया है। न्यायपालिका के रुख से अब लोगों को विश्वास होने लगा है कि उसे न्यायपालिका से न्याय मिलेगा। न्याय के लिये न्यायपा लिका के लिये सभी पक्ष समान है। हर मामले में सत्यता को छिपाने के लिये राष्ट्रीय सुरक्षा और गोपनीयता की आड़ नहीं ली जा सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सौ फीसदी रिन्यूएबल एनर्जी से बनती है महिन्द्रा एक्सयूवी 400 ईवी

नयी दिल्ली। एक्सयूवी400, महिन्द्रा & महिन्द्रा की पहली इलेक्ट्रिक एसयूवी ने एक महत्वपूर्ण पर्यावरणीय माइलस्टोन पार कर लिया है। इस नई इलेक्ट्रिक एसयूवी में रिन्यूएबल एनर्जी का इस्तेमाल, महाराष्ट्र में 100त्न वॉटर पाज़्टिव सुविधा में किया जाता है। इन वाहनों के निर्माण में बचाई गई ऊर्जा से एक साल में 1000 से अधिक घरों को रोशन किया जा सकता है, जो एक लाख पेड़ लगाने के बराबर है। वॉटर पाज़्टिव मैन्यूफैक्चरिंग सेटअप से 20,000 किलोलीटर पानी सेव होता है। यह बचाया हुआ पानी एक वर्ष में 100 घरों के लिए उपलब्ध करवाया जा सकता है। इस दौरान एमएंडएम लिमिटेड के ऑटोमोटिव डिवीजन के अध्यक्ष विजय नाकरा ने कहा कि पर्यावरण के अनुकूल वाहन का निर्माण आधुनिक ऑटोमोटिव कंपनी की जलवायु कार्रवाई यात्रा का सिर्फ एक कदम है। एक अधिक समग्र दृष्टिकोण ग्रह के अनुकूल वाहन को सबसे टिकाऊ तरीके से बनाना है और हम अपने एक्सयूवी400 के साथ ऐसा करने में कामयाब रहे हैं। एक्सयूवी 400 पहले से ही भारत में सबसे तेज़ बुक की जाने वाली इलेक्ट्रिक एसयूवी है। इस इलेक्ट्रिक एसयूवी ने 3 दिनों में 15,000 बुकिंग्स हासिल कर ली थी। साथ ही महिंद्रा ने यह भी घोषणा की कि 2027 तक उसके लगभग 30त्न यात्री वाहन इलेक्ट्रिक होंगे।

वैश्विक सौर क्षेत्र में 11 प्रतिशत बढ़ा वित्त पोषण

नयी दिल्ली। वैश्विक सौर क्षेत्र में कॉरपोरेट वित्त पोषण इस साल की पहली तिमाही जनवरी-मार्च में सालाना आधार पर 11 प्रतिशत बढ़कर 8.4 अरब डॉलर रहा। एक रिपोर्ट के अनुसार यह जानकारी हासिल हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कॉरपोरेट वित्त पोषण में उद्यम पूंजी, ऋण और सार्वजनिक बाजार वित्त पोषण शामिल हैं। वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा परामर्श कंपनी मेरकॉम कैपिटल ग्रुप के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) राज प्रभु ने कहा, चुनौतीपूर्ण आर्थिक परिस्थितियों के बावजूद पहली तिमाही में सौर क्षेत्र में निवेश बढ़ा है। दुनिया भर में खासकर यूरोप और अमेरिका में स्वच्छ ऊर्जा अपनाने को लेकर अच्छी मांग से बुनियाद मजबूत बनी हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2023 की पहली तिमाही में सौर क्षेत्र में कुल कॉरपोरेट वित्त पोषण 8.4 अरब डॉलर रहा। यह वर्ष 2022 पहली तिमाही के 7.5 अरब डॉलर के मुकाबले 11 प्रतिशत अधिक है। जनवरी-मार्च अवधि से पिछली तिमाही यानी अक्टूबर-दिसंबर, 2022 में यह 5.4 अरब डॉलर रहा था। चालू वर्ष में जनवरी-मार्च के दौरान वैश्विक उद्यम पूंजी (वीसी) वित्त पोषण गतिविधियां 75 प्रतिशत बढ़कर 2.1 अरब डॉलर रही। इसमें 18 सौदे हुए।

भारतीय पीई-वीसी निवेश फिर 60 अरब डॉलर के पार

नई दिल्ली । एशिया-प्रशांत क्षेत्र में भारत की निजी इक्विटी और वेंचर कैपिटल (पीई-वीसी) निवेश की हिस्सेदारी एक ही साल में 15 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 20 प्रतिशत हुई है। चीन-प्लस-वन की प्रतिकूल परिस्थिति और भारत की व्यापक मजबूती ने इस निवेश के लिए उज्ज्वल स्थल बना दिया। क्षेत्र में पूंजी प्रवाह में गिरावट के बीच ऐसा हुआ है। भारत में वैश्विक स्तर पर निजी इक्विटी के लिए परेशानी वाले साल में 61.6 अरब का निवेश नजर आया है, जिसमें पिछले साल के 69.8 अरब डॉलर के शीर्ष मूल्य के मुकाबले 12 प्रतिशत की कुछ कमी आई है। 2,000 से अधिक सौदों के साथ पिछले वर्षों का मजबूत सौदा प्रवाह जारी रहा। बीएफएसआई, स्वास्थ्य सेवा, ऊर्जा और विनिर्माण के नेतृत्व में पारंपरिक क्षेत्रों ने अनुकूल प्रदर्शन किया और दमदार घरेलू उपभोक्ता धारणा की मदद से 50 प्रतिशत तक बढ़कर 28 अरब डॉलर हो गया। स्वच्छ ऊर्जा में निवेश और ईवी में तेजी की वजह से ईएसजी इस साल प्रमुख विषय के रूप में उभरा। हालांकि उपभोक्ता तकनीक और आईटी/आईटीईएस खंड जैसे क्षेत्रों में गिरावट देखी गई, लेकिन स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के निवेशकों के लिए यह उल्लेखनीय वर्ष रहा।

अमेरिका का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बनना लोकतंत्र की मजबूती का संकेत

वाशिंगटन।

भारतीय अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने कहा है कि अमेरिका का भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बनना दोनों लोकतंत्रों के बीच द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि इस भागीदारी से दोनों देशों की समृद्धि और सुरक्षा बेहतर होगी। कृष्णमूर्ति ने यह टिप्पणी तब की है जबकि इस तरह की खबरें आई हैं कि अमेरिका 2022-23 में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बनकर उभरा है। इससे दोनों देशों के आर्थिक रिश्तों में मजबूती का पता चलता है। वाणिज्य मंत्रालय के शुरुआती आंकड़ों 2022-23 में भारत और अमेरिका का द्विपक्षीय व्यापार 7.65 प्रतिशत बढ़कर 128.55 अरब डॉलर हो गया है, जबकि 2021-22 में यह 119.5 अरब डॉलर था। 2020-21 में द्विपक्षीय व्यापार 80.51 अरब डॉलर रहा था। डेमोक्रेट सांसद कृष्णमूर्ति ने कहा` कि अमेरिका और भारत के बीच व्यापार का तेजी से बढ़ना हमारे लोकतंत्रों के बीच संबंधों के मजबूत होने का प्रमाण है। हमारी भागीदारी दोनों देशों के अलावा व्यापक

दुनिया की समृद्धि और सुरक्षा को बढ़ाती है। हालांकि, अमेरिका अब भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बन गया है लेकिन यह जरूरी है कि हम दोनों अर्थव्यवस्थाओं को और मजबूत करने की व्यापक संभावनाओं को पहचाने और अमेरिका में रोजगार का सृजन करें। अमेरिका उन कुछ देशों में से एक है जिनके साथ भारत का व्यापार अधिशेष है। 2022-23 में भारत का अमेरिका के साथ व्यापार अधिशेष 28 अरब डॉलर था।

सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट आई है। अक्षय तृतीया के पहले कीमतों में ये गिरावट हैरान कर रही है। अक्षय तृतीया 22 अप्रैल को है। इसके पहले लोग लोग सोने चांदी जैसे आभूषण की जमकर खरीदारी करते हैं। सर्राफा बाजार में आज सोने और चांदी की कीमतें गिरी हैं। सोने की कीमत फिसलकर 59,940 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है। वहीं चांदी की कीमत 74 हजार रुपये प्रति किलो से अधिक है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के अनुसार दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 510 रुपये नीचे आकर 59,940 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। वहीं गत कारोबारी सत्र में सोना 60,450 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं इसी प्रकार चांदी की कीमत भी 920 रुपये की गिरावट के साथ 74,680 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बंद हुई। दूसरी ओर विदेशी बाजारों में सोना और चांदी दोनों में ही गिरावट आई है और ये 1,986 डॉलर प्रति औंस और 24.79 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गये।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला जारी है। आज बुधवार को भी बाजार नीचे आया। ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही आईटी सहित कई अन्य दिग्गज कंपनियों के शेयरों के नीचे आने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 159.21 अंक करीब 0.27 फीसदी नीचे आकर 59,567.80 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान सेंसेक्स 59,745.89 का ऊपर जाने के बाद 59,452.72 तक गिरा। वहीं इस प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज निफ्टी भी 41.40 अंक तकरीबन 0.23 फीसदी नीचे आया है। निफ्टी दिन के अंत में 17,618.75 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 17,666.15 की उंचाई तक जाने के बाद भी 17,579.85 अंक तक गिरा। वहीं इस सप्ताह की शुरुआत से ही बाजार टूटा है। गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। आज के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में से 8 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। एक्सिस बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल, एचडीएफसी, और एचडीएफसी बैंक के शेयर सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयरों में रहे। सबसे ज्यादा लाभ

एक्सिस बैंक के शेयरों को हुआ। इसके शेयर करीब 1.05 फीसदी तक ऊपर आये हैं। दूसरी तरफ सेंसेक्स के शेयरों में 22 शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयरों को तकरीबन 2.40 फीसदी का नुकसान हुआ। इसके साथ ही इंडसइंड बैंक, इंफोसिस, विप्रो भी सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले पांच शेयरों में रहे। इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही आई टी कंपनियों के शेयरों में बिकवाली हावी होने और विदेशी निवेशकों की निकासी से आई है। स्थानीय बाजार में तीसरे कारोबारी सत्र में भी गिरावट जारी रही। इससे पहले गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुए थे। वहीं अमेरिकी बाजार में भी गिरावट दर्ज की गयी।

अडाणी ग्रीन एनर्जी को पानी बचाने पर मिला प्रमाणपत्र

नयी दिल्ली। अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) को पानी बचाने पर प्रमाणपत्र प्रदान किया गया है। कंपनी ने बुधवार को कहा कि उसे खपत से ज्यादा पानी बचाने यानी संरक्षण के प्रयासों के लिए एक वैश्विक संस्था से प्रमाणपत्र मिला है। कंपनी ने बयान में कहा कि एक स्वतंत्र वैश्विक एश्योरेंस एजेंसी डीएनवी ने एजीईएल को 'वॉटर पॉजिटिव' के तौर पर सत्यापित किया है। कंपनी ने कहा कि यह सत्यापन दर्शाता है कि एजीईएल का जल संरक्षण उसकी खपत से कहीं अधिक है। डीएनवी ने एजीईएल को यह प्रमाणपत्र देने के पहले तमिलनाडु, राजस्थान, कर्नाटक, गुजरात एवं आंध्र प्रदेश स्थित 200 मेगावॉट से अधिक क्षमता वाली परिचालन इकाइयों में जल संतुलन सूचकांक का आकलन किया। इस आकलन के मुताबिक, कंपनी का जल संतुलन सूचकांक 1.12 है जो कि वित्त वर्ष 2024-25 तक शुद्ध जल निरपेक्ष होने के लक्ष्य से भी अधिक है। एजीईएल अडाणी समूह की नवीकरणीय ऊर्जा इकाई है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मांग बढ़ने से सोने के भावों में आएगा और उछाल

नयी दिल्ली।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मांग बढ़ने से सोने के भावों में उछाल आने वाला है। इसलिए सोने के दाम में कमी की उम्मीद लगाए लोगों को अभी राहत मिलने वाली नहीं है। आने वाले समय में सोने के रेट में और भी ज्यादा वृद्धि देखने को मिलेगी, क्योंकि जिस तरीके से इंटरनेशल लेवल पर डॉलर और स्टॉक मार्केट में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है उससे लोग तेजी से गोल्ड में इन्वेस्ट करने के लिए सोने की खरीदारी कर रहे हैं। सर्राफा व्यापारी ने बताया कि भारत और चीन में सबसे ज्यादा सोने की डिमांड होती है। लेकिन, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिस तरीके से तीन बैंकों के हालात खराब हुए हैं। जो लोग भी स्टॉक मार्केट में अपना पैसा लगाते थे, वो सभी सोने की जमकर खरीदारी कर रहे हैं जिससे कि उनको नुकसान ना हो। इससे कहीं ना कहीं सोने की रेट पर भी असर देखने को मिल रहा है। जानकारी के अनुसार इस साल के अंत तक सोने की कीमत 65,000 से 70,000 रुपये प्रति दस ग्राम (24 कैरेट) के बीच में भी जा सकती है। जानकारों का कहना है कि भारत में सोने की कीमत में उछाल का एक मुख्य कारण है कि जिस तरह से सरकार के द्वारा सोने पर कस्टम ड्यूटी लगाई जाती है वो अब तक के दौर की सबसे महंगी दर है। इसलिए सोने की कीमत में और भी ज्यादा उछाल देखने को मिलता है। कई बार इसको

लेकर आभूषण विक्रेताओं के द्वारा सरकार को मांग पत्र देकर इसकी कीमत घटाने के लिए कहा जाता है। बता दें कि, मंगलवार को मेरठ में 24 कैरेट सोने का रेट 60,500 रुपये प्रति 10 ग्राम था।

ज्यादा कमाई पर कैपिटल गेन टैक्स लगाने का कोई इरादा नहीं : वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली । ज्यादा कमाई पर अधिक कैपिटल गेन टैक्स लगाने की खबर का मोदी सरकार ने खंडन किया है। वित्त मंत्रालय ने ट्वीट कर साफ किया है कि इस तरह की किसी भी योजना पर कोई काम नहीं हो रहा हैं, न ही विभाग के पास इस तरह का कोई प्रस्ताव आया है। बता दें, एक खबर में दावा किया गया था कि मोदी सरकार कैपिटल गेन्स टैक्स ढांचे में कायापलट की तैयारी कर रही है। केंद्र की ओर से यह बदलाव इसकारण किया जा सकता है, ताकि इनकम असमानता को कम करने में मदद मिल सके। जब कोई निवेशक अपनी प्रॉपर्टी, घर, कार, बैंक एफडी आदि बेचता है, तब इसके बिक्री से हासिल होने वाले मुनाफे पर टैक्स लिया जाता है। इस मुनाफे को कैपिटल गेन टैक्स कहते हैं। साल 2018 में इस स्टॉक मार्केट से जोड़ा गया था।

डीजल पर एक्सपोर्ट ड्यूटी खत्म लेकिन क्रूड पर फिर लगा विंडफॉल टैक्स

नयी दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने डीजल पर भले ही एक्सपोर्ट ड्यूटी खत्म कर दी लेकिन क्रूड ऑयल पर विंडफॉल टैक्स लगाकर सकते में डाल दिया है। जानकारी के अनुसार घरेलू स्तर पर उत्पादन किए जाने वाले कच्चे तेल यानी क्रूड ऑयल पर फिर से विंडफॉल टैक्स लगा दिया है। इस बार केंद्र सरकार ने घरेलू स्तर पर क्रूड उत्पादन पर विंडफॉल टैक्स 6,400 रुपए प्रति टन कर दिया है। वहीं डीजल पर एक्सपोर्ट ड्यूटी को पूरी तरह से खत्म कर दिया है। नई दरें 19 अप्रैल से लागू हो गई हैं। केंद्र सरकार पेट्रोलियम सेक्टर में टैक्स स्ट्रक्चर और इंडस्ट्री में निवेश को बढ़ावा के लिए इस रकम का इस्तेमाल करेगी। इससे पहले, अप्रैल की शुरूआत में केंद्र सरकार ने कच्चे तेल पर 3500 रुपए प्रति टन का विंडफॉल टैक्स पूरी तरह हटा दिया था। इस बार भी केंद्र सरकार ने पेट्रोल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) पर कोई अतिरिक्त एक्साइज ड्यूटी नहीं लगाई है। इसके अलावा, केंद्र सरकार ने इस बार डीजल पर एक्सपोर्ट ड्यूटी को पूरी तरह से खत्म कर दिया है। पिछली बार रिवीजन के बाद से अब तक डीजल पर 50 पैसे प्रति लीटर के भाव पर एक्सपोर्ट ड्यूटी लागू थी।

विंडफॉल टैक्स में इस रिवीजन के बाद सरकार की अतिरिक्त आय में इजाफे की उम्मीद है। सरकार के इस फैसले से तेल कंपनियों के शेयरों में आज एक्शन देखने को मिल सकता है। अब तेल कंपनियों को पहले से ज्यादा टैक्स देना होगा। ये टैक्स उन्हीं कंपनियों को देना होगा, जो घरेलू क्रूड को उत्पादन के बाद बिक्री करती हैं। वहीं डीजल पर एक्सपोर्ट ड्यूटी हटने के बाद मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को कुछ हद तक राहत मिली है। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर बड़े स्तर पर पावर जेनरेशन और ट्रांसपोर्टेशन के लिए डीजल पर निर्भर करते हैं। बता दें कि विंडफॉल टैक्स सरकार द्वारा तब लगाया जाता है जब कोई इंडस्ट्री अप्रत्याशित रूप से बड़ा मुनाफा कमाती है। भारत में विंडफाल टैक्स पहली बार पिछले साल 1 जुलाई को लगाया गया था, क्योंकि एनर्जी की ज्यादा कीमतों के चलते तेल उत्पादकों के लिए मुनाफा कई गुना बढ़ गया था। उस समय पेट्रोल और एटीएफ पर 6 रुपए प्रति लीटर (12 डॉलर प्रति बैरल) और डीजल पर 13 रुपए प्रति लीटर (26 डॉलर प्रति बैरल) का निर्यात शुल्क लगाया गया था।

मारुति, हुंदै की बाजार हिस्सेदारी इस साल घटी

नई दिल्ली ।

देश में यात्री वाहनों की अग्रणी कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) और हुंदै मोटर (एचएमआई) की बाजार हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2022-23 में इससे पिछले साल के मुकाबले घटी है। वाहन डीलर संघों के महासंघ ने मंगलवार को यह जानकारी दी। दूसरी ओर टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा और किआ इंडिया की बाजार हिस्सेदारी में बढ़ोतरी हुई है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) की खुदरा बिक्री के आंकड़ों के अनुसार, मारुति सुजुकी की खुदरा बिक्री वित्त वर्ष 2022-23 में बढ़कर 14,79,221 इकाई रही। वित्त वर्ष 2021-22 में खुदरा बिक्री 12,39,688 इकाई रही थी। हालांकि इस दौरान एमएसआई की बाजार हिस्सेदारी 42.13 प्रतिशत से घटकर 40.86 प्रतिशत रही। इससे पहले, एमएसआई ने कहा था कि आलोच्य वित्त वर्ष में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की कमी से लगभग 3.8 लाख इकाइयों के ऑर्डर लंबित हुए। इसी तरह, हुंदै मोटर इंडिया की खुदरा बिक्री समाप्त वित्त वर्ष 2022-23 में बढ़कर 5,25,088 इकाई रही। हालांकि इस दौरान इसकी बाजार हिस्सेदारी 16.28 प्रतिशत से घटकर 14.51 प्रतिशत रह गई। आंकड़ों के अनुसार, टाटा मोटर्स की बाजार हिस्सेदारी समीक्षाधीन अवधि में 11.27 प्रतिशत से बढ़कर 13.39 प्रतिशत हो गई। इस दौरान इसकी यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री भी 3,31,637 इकाई से बढ़कर 4,84,843 इकाई हो गई। फाडा ने कहा कि इसी तरह, महिंद्रा एंड महिंद्रा ने पिछले वित्त वर्ष में 3,23,691 यात्री वाहन बेचे। वित्त वर्ष 2021-22 में इसने 1,99,125 इकाइयों की बिक्री की थी। वहीं इसकी बाजार हिस्सेदारी पिछले वित्त वर्ष में 6.77 प्रतिशत से बढ़कर 8.94 प्रतिशत रही।

टीसीएस भारत में काम करने के लिए सबसे अच्छी कंपनी

नई दिल्ली।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) इस साल भारत में काम करने के लिए सबसे अच्छी जगहों में शीर्ष कंपनी के रूप में उभरी है। मी डिया रिपोर्ट में बुधवार को कहा गया कि पहली बार, ईस्पोर्ट्स और गेमिंग से ड्रीम11 (20वें) और गेम्स24 गुणा 7 (24दि) जैसी कंपनियों ने इस सूची में जगह बनाई है, जो गेमिंग की बढ़ती लोकप्रियता और इस क्षेत्र की उपस्थिति को दर्शाता है। सूची में शामिल 25 में से 17 कंपनियों के साथ नए प्लेयर्स का उदय हुआ है, जो भारत के व्यापार पारिस्थितिकी तंत्र में मजबूत गति को प्रदर्शित करता है। जिप्टो (16वें) ने इस साल शीर्ष कंपनी सूची में जगह बनाई। मी डिया एक्सपर्ट नीरजिता बनर्जी ने कहा, इस अनिश्चित माहौल में, पेशेवर उस ऑफर करियर ग्रोथ के लिए काम करने के लिए कंपनियों पर मार्गदर्शन की तलाश कर रहे हैं जो उन्हें लॉन्ग-टर्म सफलता के लिए स्थापित करेंगे। 2023 की सूची सभी स्तरों पर पेशेवरों को नौकरी के अवसर खोजने में मदद करने के लिए कार्रवाई योग्य अंतर्दृष्टि और संसाधनों से भरी हुई है। इस साल की सूची में शामिल वित्तीय सेवाओं, तेल और गैस, पेशेवर सेवाओं, विनिर्माण और गेमिंग की कंपनियों के साथ तकनीकी कंपनियों से एक बदलाव आया है, जो पिछले साल सूची में हावी थी।

जैसा कि सूची में दिखाया गया है कि अधिकांश कंपनियां (25 में से 10) मैक्केरी ग्रुप, एचडीएफसी बैंक, मास्टरकार्ड और यूबी जैसी वित्तीय सेवाओं/बैंकिंग/फिनटेक स्पेस से हैं। प्रौद्योगिकी क्षेत्र में शीर्ष कंपनियां जिन मांग वाले कौशलों की तलाश कर रही हैं उनमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), रोबोटिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, सॉफ्टवेयर परीक्षण और कंप्यूटर सुरक्षा शामिल हैं।

फेसबुक की मेटा एक बार फिर करेगी चार हजार कर्मचारियों की छंटनी

नई दिल्ली ।

फेसबुक की पेरेंट्स कंपनी मेटा अपने चार हजार कर्मचारियों की छंटनी करने की तैयारी कर रही है। एक मी डिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है कि मेटा जो कि रूस में चरमपंथी संगठन के तौर पर प्रतिबंधित है, अपने चार हजार कर्मचारियों की छंटनी करने की तैयारी कर रहा है। हालों कि एक रिपोर्ट में मंगलवार को कहा गया कि छंटनी की घोषणा अगले एक दो दिन में की जाएगी। इस रिपोर्ट में कहा गया कि मेटा ने इस मुद्दे पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। मेटा ने इससे पहले नवंबर में 11,000 नौकरियों में कटौती की थी, लेकिन कंपनी के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने मार्च में कहा था कि आने वाले महीनों में और 10,000 छंटनी होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, 2022 के अंत तक मेटा में करीब 86,000 कर्मचारी थे।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईपीएल में आज केकेआर को हराकर प्लेऑफ की संभावनाएं बरकरार रखने उतरेगी दिल्ली कैपिटल्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल में लगातार पांच मैच में हार से परेशान दिल्ली कैपिटल्स टीम गुरुवार को यहां अपने घरेलू मैदान पर हर हाल में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) पर जीत के इरादे से उतरेगी। दिल्ली की टीम अभी अंकतालिका में सबसे नीचे है और अगर वह इस मैच में हारती है तो उसके प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाएं समाप्त हो जाएंगी। इस मैच में टीम बल्लेबाज पृथ्वी शॉ को भी बाहर किया जा सकता है क्योंकि वह अब तक इस सत्र में रन नहीं बना पाये हैं। इस सत्र के पांच मैचों में पृथ्वी केवल 34 रन ही बना सके हैं और उनका सबसे अधिक स्कोर 15 रन रहा है। ऐसे में पृथवी की जगह पर सरफराज खान को पावरप्ले के ओवरों के लिए विशेषज्ञ सलामी बल्लेबाज के रूप में उतारा जा सकता है जबकि दूसरा विकल्प अनुभवी मनीष पांडे को ऊपर भेजने का हो सकता है। टीम की परेशानी पृथ्वी के खराब प्रदर्शन के अलावा कप्तान डेविड वार्नर के प्रदर्शन में निरंतरता का न होना भी है। वॉर्नर ने अब तक मैचों में 116 की स्ट्राइक रेट से 228 रन बनाए हैं। ऑस्ट्रेलिया के मिशेल मार्श भी तीसरे नंबर पर अबतक असफल रहे हैं। ऐसे में रिली रोसोयू या रोवमैन पावेल में से किसी खिलाड़ी को उतारा जा सकता है। यश धुल के पास तकनीक की कमी है और वह इससे उबर नहीं पा रहे हैं। दिल्ली की बेंच स्ट्रेंथ भी काफी कमजोर है जिसकी वजह से खराब फॉर्म से जूझ रहे खिलाड़ियों के सही विकल्प भी उसके पास है।

वहीं दूसरी ओर केकेआर की टीम का प्रदर्शन मिला-जुला रहा है। उसे पिछले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था जिससे उबरकर वह फिर जीत की राह पर आने के इरादे से उतरेगी।

केकेआर के पास कप्तान नितिश राणा के अलावा वेंकटेश अय्यर व मध्यक्रम में रिंकू सिंह जैसे तूफानी बल्लेबाज हैं। इसके अलावा उसके पास वेस्टइंडीज के आक्रामक बल्लेबाज आंद्रे रसेल जैसा हिटर भी है। केकेआर इस मैच में रहमानुल्लाह गुरबाज की जगह इंग्लैंड के जैसन रॉय को उतारा जा सकती है। लेग स्पिनर सुयश शर्मा को अपने घरेलू मैदान खेलने का अवसर मिल सकता है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

दिल्ली कैपिटल्स: डेविड वार्नर (कप्तान), फिलिप सॉल्ट, यश धुल, मनीष पांडे, अक्षर पटेल, अमन हाकिम खान, ललित यादव, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), कुलदीप यादव, एनरिच नार्जे, लुंगी एनगिडी

कोलकाता नाइट राइडर्स : रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), वेंकटेश अय्यर, एन जगदीसन, नीतीश राणा (कप्तान), रिंकू सिंह, आंद्रे रसेल, सुनील नरेन, शार्दुल ठाकुर, उमेश यादव, लॉकी फर्ग्यूसन, वरुण चक्रवर्ती।

अंतर्राष्ट्रीय टी20 क्रिकेट में अभी भी नहीं सूर्यकुमार का कोई तोड़, रैंकिंग में पहले स्थान पर हैं काबिज

दुबई (एजेंसी)। भारत के आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की बुधवार को जारी नवीनतम टी20 अंतरराष्ट्रीय पुरुष बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं। पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म से जूझ रहे सूर्यकुमार 906 अंक के साथ शीर्ष पर हैं। उन्हें दूसरे स्थान पर मौजूद पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान (798) पर 100 से भी अधिक अंक की बढ़त हासिल है। शीर्ष 10 में शामिल एकमात्र भारतीय बल्लेबाज सूर्यकुमार ने 2022 में टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने इस साल की शुरुआत में न्यूजीलैंड और श्रीलंका के खिलाफ भी अच्छा प्रदर्शन जारी रखा।

पूर्व कप्तान विराट कोहली 15वें स्थान के साथ बल्लेबाजों की सूची में अगले सर्वश्रेष्ठ भारतीय हैं। वह भी अपनी पिछली रैंकिंग पर बरकरार हैं। गेंदबाजों में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह 14वें स्थान के साथ शीर्ष भारतीय हैं। अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार एक स्थान के नुकसान से 19वें पायदान पर हैं। ऑलराउंडर की सूची में भारत के हार्दिक पंड्या बांग्लादेश के शाकिब अल हसन के बाद दूसरे स्थान पर हैं। हारिस राउफ तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 10 विकेट के साथ शादाब खान को पछाड़कर पाकिस्तान के शीर्ष गेंदबाज बन गए हैं। उनके 906 अंक हैं। राउफ ने न्यूजीलैंड के खिलाफ मौजूदा टी20 श्रृंखला में लगातार दो मैच में चार-चार विकेट चटकाए।

राउफ को पांच स्थान का फायदा हुआ है और वह 11वें पायदान पर हैं। इस बीच ईश सोढी (620) और शाहीन शाह अफरीदी (624) भी गेंदबाजी रैंकिंग में आगे बढ़े हैं। टेस्ट प्रारूप में श्रीलंका के बाएं हाथ के स्पिनर प्रबाथ जयसूर्या ने 13 स्थान की लंबी छलांग लगाई है। आयरलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में 10 विकेट की बदौलत वह शीर्ष 10 में शामिल हो गए हैं। जयसूर्या के नाम करियर के सर्वश्रेष्ठ 669 अंक हैं और वह टेस्ट प्रारूप में श्रीलंका के शीर्ष गेंदबाज बन गए हैं। आयरलैंड के खिलाफ दूसरी पारी में चार विकेट चटकाने वाले स्पिनर रमेश मेंडिस (576) को भी तीन स्थान का फायदा हुआ है और वह 32वें स्थान पर हैं।

सचिन ने बेटे की तारीफ में कहा, अब अर्जुन के पास है एक आईपीएल विकेट

मुम्बई (एजेंसी)। महान भारतीय बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में अपने बेटे अर्जुन तेंदुलकर के अच्छे प्रदर्शन पर उनकी तारीफ की है। अर्जुन ने आईपीएल में अपना पहला सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के खिलाफ लेकर मुंबई इंडियंस की जीत में अपना भी योगदान दिया। वहीं इससे पहले अर्जुन ने वानखेड़े स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ अपने डेब्यू मैच में भी अच्छा प्रदर्शन किया था।

सचिन ने मुंबई इंडियंस की जीत की हैट्रिक के बाद एक प्रशंसात्मक ट्वीट किया और कहा, मुंबई इंडियंस द्वारा एक बार फिर शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन। कैमरून ग्रीन ने दोनों बल्ले और गेंद से प्रभावित किया। ईशान और तिलक की बल्लेबाजी अच्छी है! आईपीएल हर दिन अधिक दिलचस्प होता जा रहा है। शानदार लड़के ! और अंत में अर्जुन के पास एक आईपीएल विकेट है!

वहीं मैच के बाद मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा ने भी अर्जुन की

जमकर तारीफ की और कहा कि यह युवा अपनी योजनाओं के प्रति काफी आश्वस्त और स्पष्ट है। रोहित ने कहा, अर्जुन तीन साल से इस टीम का हिस्सा है। वह समझता है कि वह क्या करना चाहता है। वह काफी आत्मविश्वासी भी है। वह अपनी योजनाओं में स्पष्ट है। वह नई गेंद को स्विंग कराने और डेथ ओवरों में यॉर्कर डालने की कोशिश कर रहा है।

आईपीएल में आज आरसीबी और पंजाब किंग्स के बीच रोमांचक मुकाबले की संभावनाएं

मोहाली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में गुरुवार को पंजाब किंग्स अपने घरेलू मैदान पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ उतरेगी। इस मैच में पंजाब के कप्तान शिखर धवन के खेलने पर सभी की निगाहें रहेंगी। धवन चोटिल होने के कारण पिछले मैच में नहीं खेल पाये थे और ऐसे में लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ मैच में सैम कुरेन ने कप्तानी संभाली थी। धवन ने अब तक इस सत्र में सबसे अधिक रन बनाये हैं और ऐसे में उनका न खेलना टीम के लिए एक बड़ा झटका रहेगा।

पंजाब को पिछले मैच में जीत मिली थी। ऐसे में अपने घरेलू मैदान पर होने वाले इस मैच में उसका मनोबल बढ़ा रहेगा। पंजाब के पास जिम्बाब्वे के ऑलराउंडर सिकंदर रजा के अलावा मैथ्यू शॉर्ट, हरप्रीत सिंह और एम शाहरूख खान जैसे खिलाड़ी हैं जिसे में वह जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। धवन अगर नहीं खेल पाते तो उनके सलामी जोड़ीदार

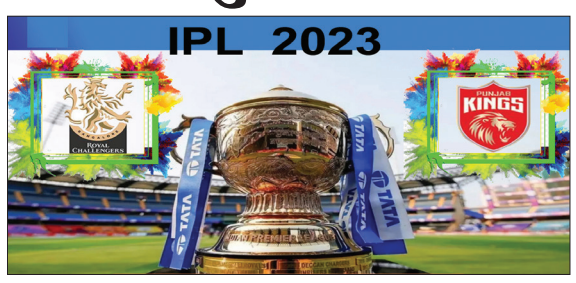

प्रभसिमरन सिंह को बेहतर तरीके से खेलना होगा। पिछले मैच में प्रभसिमरन और उनके नये सलामी जोड़ीदार अथर्व तायडे रन नहीं बना पाये थे।

पंजाब के पास गेंदबाजी में अर्शदीप सिंह और कुरेन के अलावा दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा भी हैं। पांच मैचों में छह अंक लेकर पांचवें स्थान पर कायम पंजाब के बल्लेबाज अब तक उम्मीद के अनुसार नहीं खेल पाये हैं।

वहीं दूसरी ओर आरसीबी की दावेदारी भी कमजोर नहीं है। कप्तान फाफ डु प्लेसी की टीम में अनुभवी विराट कोहली जैसे बल्लेबाज है। टीम के लिए हालांकि डु प्लेसी का खराब फार्म परेशानी बन सकता है। वह पिछले मैच में छह रन ही बना सके।

आरसीबी के पास ग्लेन मैक्सवेल जैसा ऑलराउंडर है। इसे अलावा शाहबाज अहमद, दिनेश कार्तिक और सुयश प्रभुदेसाई ने भी अब तक प्रभावित किया है पर शीर्ष क्रम के लगातार अच्छा नहीं खेल पाने से टीम को नुकसान हुआ है। कोहली और महिपाल लोमरोर सीएसके के खिलाफ मैच में असफल रहे थे। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम मामूली अंतर से बिखर गयी थी। ऐसे में अब टीम को मनोबल बढ़ाने एक बढ़ी जीत की जरुरत है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

पंजाब किंग्स: शिखर धवन (कप्तान), अर्शदीप सिंह, बलतेज सिंह, राज बावा, राहुल चाहर, सैम कुरेन, ऋषि धवन, नाथन एलिस, हरप्रीत बरार, हरप्रीत सिंह, वी कावेरप्पा, लियाम लिविंगस्टोन, मोहित राठी, प्रभसिमरन सिंह, कागिसो रबादा , भानुका राजपक्षे, एम शाहरुख खान, जितेश शर्मा, शिवम सिंह, मैथ्यू शॉर्ट, सिकंदर रजा और अथर्व तायडे।

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर: फाफ डुप्लेसी (कप्तान), विराट कोहली, मोहम्मद सिराज, हर्षल पटेल, दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), शाहबाज अहमद, अनुज रावत, आकाश दीप, महिपाल लोमरोर, फिन एलन, सुयश प्रभुदेसाई, कर्ण शर्मा, सिद्धार्थ कौल, डेविड विली, वेन पार्नेल, हिमांशु शर्मा, मनोज भांडगे, राजन कुमार, अविनाश सिंह, सोनू यादव और माइकल ब्रेसवेल।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाड़ियों का सामान हुआ गायब

नई दिल्ली । आईपीएल के इस 16 वें सत्र में लगातार हार से जूझ रही दिल्ली कैपिटल्स टीम की परेशानी बढ़ती जा रही है। टीम को लगातार हार का सामना करना पड़ा जिससे वह अंक तालिका में सबसे नीचे है। वहीं अब उसके खिलाड़ियों का सामान भी चोरी हो गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार टीम के खिलाड़ियों के 16 बैट, पैड्स, जूते, थाई पैड्स और ग्लव्स खिलाड़ियों के किट बैग में से गायब हैं। टीम बैंगलोर से फ्लाइट लेकर दिल्ली आ रही थी। जब खिलाड़ियों ने दिल्ली आकर अपने-अपने किटबैग चेक किए तो उनमें से यह सारा सामान गायब था। यह भी कहा जा रहा है कि गायब हुए बल्लों में से तीन डेविड वॉर्नर, तीन फिल सॉल्ट, दो मिचेल मार्श और पांच यश धूल के थे। वहीं अन्य खिलाड़ियों के ग्लव्स, जूते आदि सामान क्रिकेट किट में से गायब था। बता दें कि विदेशी खिलाड़ियों के एक बल्ले की कीमत तकरीबन एक लाख रुपये थी।

आईपीएल में भारतीय टीम से बाहर चल रहे खिलाड़ियों का धमाकेदार प्रदर्शन

मुम्बई । आईपीएल के इस 16 वें सत्र में अब तक हुए दो दर्जन मैच में शिखर धवन सहित उन क्रिकेटरों का प्रदर्शन अच्छा रहा है जिन्हें भारतीय टीम में जगह नहीं मिली है। माना जा रहा है कि ये सभी खिलाड़ियों आईपीएल में अपने प्रदर्शन से भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) का ध्यान खींचने का प्रयास कर रहे हैं। इसके साथ ही इन खिलाड़ियों की नजरें इस साल अक्टूबर-नवंबर में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के लिए भी अपनी दावेदारी पेश करना है। इन खिलाड़ियों में अनुभवी सलामी बल्लेबाजी शिखर धवन से लेकर ऋतुराज गायकवाड़ ओर तिलक वर्मा सहित वरुण चक्रवर्ती और तुषार पांडे जैसे खिलाड़ी हैं। धवन पिछले काफी समय से टी20 और टेस्ट टीम से बाहर चल रहे हैं। उन्हें पिछले दिनों एकदिवसीय टीम में भी शामिल नहीं किया गया था। उन्होंने इस लीग अब तक 4 मैच की 4 पारियों में 117 की औसत से 233 रन बनाये हैं। इसमें 2 अर्धशतक भी शामिल हैं और उनका स्ट्राइक रेट 147 का है। उन्होंने एक मैच में नाबाद 99 रन भी बनाये थे। धवन के बाद चेन्नई सुपर किंग्स से खेल रहे ऋतुराज गायकवाड़ और मुंबई इंडियंस से खेल तिलक वर्मा ने भी अब तक प्रभावी प्रदर्शन किया है। ऋतुराज ने सीएसके की ओर से अब तक 5 मैच में 50 की औसत से 200 रन बनाए हैं जिसमें 2 अर्धशतक शामिल है। इसमें 92 रन उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। उनका स्ट्राइक रेट 150 का है जबकि तिलक वर्मा ने 4 मैच में 59 की औसत से 177 रन बनाए हैं। इसमें एक अर्धशतक शामिल है। उनका स्ट्राइक रेट 150 का है। ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर ने भी अब तक इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन करते हुए एक शतक भी लगाया है। वेंकटेश ने 5 मैच में 47 की औसत से 234 रन बनाए हैं।

पाक क्रिकेटर उमर की दिग्गज क्रिकेटरों को चेतावनी, मेरे पास भी है उनके राज

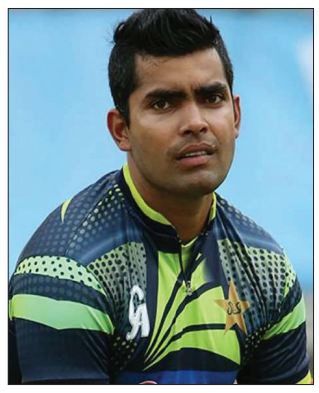

-राज सार्वजनिक किये तो मुंह दिखाने लायक नहीं रहेंगे

लाहौर(एजेंसी)। पाकिस्तान टीम से बाहर चल रहे पूर्व क्रिकेटर उमर अकमल ने दिग्गज क्रिकेटरों को चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर वह खुलासे करने लगे तो कई क्रिकेट लोगों को मुंह दिखाने लायक भी नहीं रहेंगे। साथ ही कहा कि लोग क्रिकेट देखना भी छोड़ देंगे।

पाक टीम से लंबे समय से बाहर चल रहे उमर ने कहा कि राष्ट्रीय टीम और घरेलू क्रिकेट खेलने के लिए उन्होंने विदेशी लीग तक में खेलने से मना कर दिया। इसके बाद भी उन्हें मौका नहीं दिया गया। अपने टिकटॉक वीडियो पर आलोचना झेलने वाले उमर ने कहा,

क्या मैं अपने भाई-बहनों की शादी में नाच नहीं सकता? उमर ने कहा, अगर मैं अपने किसी रिश्तेदार की शादी में नाच रहा हूं तो क्या ये बुरी बात है? मैं बस इतनी बात कहूंगा कि जो लोग ये कहते हैं कि ये परिपक्व क्यों नहीं हो रहा तोज्मेरे ख्याल ये बातें ज्यादातर पूर्व क्रिकेटर्स ही बोलते हैं।

अकमल ने कहा, मैं इस शो में बस इतनी सी बात बोलता हूं कि मुझे मजबूर मत करें क्योंकि उनके राज भी मेरे पास पड़े हुए हैं। अगर मैंने राज बाहर निकाले तो उनकी इज्जत नहीं रहेगी। पाकिस्तान के लोग क्रिकेट देखना बहुत पसंद करती है परन्तु अगर मैंने ये राज बाहर निकाले तो हमारे लोग क्रिकेट देखना बंद कर देंगे।

उमर ने साथ ही कहा कि मेरे बड़े भाई कामरान ने भी करियर में मेरा साथ नहीं दिया। मैंने जो कुछ किया वह अपने बल पर किया। कामरान अकमल ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी।

ओस्टापेंको ने स्टटगार्ट के पहले दौर में राडूकानू को हराया

स्टटगार्ट। पूर्व ग्रैंडस्लैम चैम्पियन येलेना ओस्टापेंको ने पोर्शे ग्रां प्री इंडोर क्लेकोर्ट टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में एम्मा राडूकानू को 6.2, 6.1 से हरा दिया। फ्रेंच ओपन 2017 चैम्पियन लाटविया की ओस्टापेंको ने पहले ही सेट में अमेरिकी ओपन 2021 चैम्पियन राडूकानू की सर्विस दो बार तोड़कर उसे दबाव में ला दिया। एक अन्य मैच में पाउला बाडोसा ने सातवीं वरीयता प्राप्त डारिया कासात्किना को 6.1, 6.1 से हराया। अब उनका सामना क्वालीफायर क्रिस्टिना बुक्सा से होगा। बारबरा क्रेइसिकोवा ने लियुडमिला सैमसोनोवा को 6.2, 6.0 से शिकस्त दी और अब वह एरिना सबालेंका से खेलेगी।

अंडर-19 विश्वकप में विवादों में रहे थे विराट को आउट करने वाले आकाश

बेंगलूर । यहां आईपीएल मुकाबले में विराट कोहली को केवल छह रनों पर ही पेवेलियनल भेजने वाले चेन्?नई सुपर किंग?स के युवा तेज गेंदबाज आकाश सिंह ने सभी का ध्यान खींचा है। 20 साल के युवा तेज गेंदबाज आकाश ने भारतीय टीम की ओर से अंडर-19 विश्?व कप खेला है। आकाश उसी विश्वकप के दौरान एक विवाद में भी फंस गये थे। इस विश्वकप में भारत और बांग्लादेश के बीच खिताबी मुकाबला खेला गया था। इस मैच में बांग्लादेश की जीत के बाद बांग्लादेशी खिलाड़ियों की झड़प कुछ भारतीय खिलाड़ियों से हुई थी। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने झगड़े में शामिल खिलाड़ियों को फटकार लगायी थी। इन खिलाड़ियों में आकाश भी शामिल थे। आकाश ने तब जूनियर विश?व कप के छह मैचों में 3.81 की इकनॉमी से अच्छी गेंदबाजी करते हुए सात विकेट लिए थे। वहीं साल 2020 में ही राजस?थान रॉयल?स ने आकाश सिंह को आधार मूल्य पर ही खरीद लिया था हालांकि उस साल उन?हें खेलने का अवसर नहीं मिला। साल 2021 में आकाश ने आईपीएल में एक मैच में खेल पर वह एक भी विकेट नहीं ले पाये। इसके बाद आकाश को सीएसके ने चोटिल तेज गेंदबाज मुकेश सिंह की जगह पर शामिल किया गया।

आईपीएल में फिर आई सट्टेबाजी की आंच, मोहम्मद सिराज ने खुलासा कर बीसीसीआई को दी जानकारी

बेंगलुरु। (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2023 में सट्टेबाजी फिर से सक्रिय हो गई है। यहां फिर से फिक्सिंग का मामला सामने आया है। सालों पहले भी फिक्सिंग की आंच आईपीएल पर पड़ चुकी है। वही अब एक बार फिर से सट्टेबाजी की आंच आ गई है। इस बार टीम इंडिया के स्टार खिलाड़ी मोहम्मद सिराज ने फिक्सिंग को लेकर बड़ा खुलासा किया है।

आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की ओर से खेलने वाले स्टार खिलाड़ी मोहम्मद सिराज के खुलासे के बाद से सनसनी फैल गई है। जानकारी के मुताबिक आईपीएल में सट्टेबाजी के दौरान एक ड्राइवर ने पैसे गंवा दिए जिसके बाद उसने सिराज से संपर्क किया। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने बीसीसीआई की भ्रष्टाचार निरोधक ईकाइ (एसीयू) को जानकारी दी है कि एक अज्ञात व्यक्ति ने आईपीएल के पिछले मैच में भारी पैसा हारने के बाद उनकी टीम की अंदरूनी जानकारी के लिये उनसे संपर्क किया था। सिराज ने फोन आने के बाद तुरंत एसीयू अधिकारियों को इसकी सूचना दी। बोर्ड के एक सूत्र ने बताया ,''जिसने सिराज से संपर्क किया वह सटोरिया नहीं था। वह मैचों पर सट्टा लगाने का आदी हैदराबाद का एक ड्राइवर था। उसने काफी पैसा गंवा दिया था इसलिये उसने अंदरूनी जानकारी के लिये सिराज से संपर्क किया।'' उन्होंने कहा ,'' सिराज ने तुरंत इसकी सूचना दी।

सुदीरमन कप में भारतीय टीम की अगुवाई करेंगे प्रणय और पीवी सिंधू

नयी दिल्ली (एजेंसी)। विश्व में नौवें नंबर के खिलाड़ी एचएस प्रणय और ओलंपिक में दो बार की पदक विजेता पीवी सिंधू चीन के सुजोऊ में 14 से 21 मई के बीच होने वाले सुदीरमन कप बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय टीम की अगुवाई करेंगे। भारतीय बैडमिंटन संघ की सीनियर राष्ट्रीय चयन समिति की मंगलवार को यहां बैठक हुई जिसमें टीम का चयन किया गया। टीम का लक्ष्य इस मिश्रित टीम चैंपियनशिप में पहली बार पदक हासिल करना होगा।

भारतीय पुरुष टीम ने पिछले साल प्रतिष्ठित थॉमस कप जीतकर इतिहास रचा था जिससे भारतीय टीम की सुदीरमन कप में पदक जीतने की संभावना बढ़ गई है। भारत ने इस साल के शुरू में एशियाई मिश्रित टीम चैंपियनशिप में भी कांस्य पदक जीता था। भारतीय बैडमिंटन संघ के सचिव संजय मिश्रा ने कहा,'' सुदीरमन कप प्रतिष्ठित टूर्नामेंट है और चयनकर्ताओं ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में खिलाड़ियों के प्रदर्शन का अध्ययन करने के बाद सर्वश्रेष्ठ टीम का चयन किया है। हमें विश्वास है इस साल यह टीम पदक के लिए चुनौती पेश करेगी।''

भारत को मलेशिया, चीनी ताइपे और ऑस्ट्रेलिया के साथ ग्रुप सी में रखा गया है और उसका पहला लक्ष्य नॉकआउट चरण में जगह बनाना होगा। चोट के कारण एशियाई मिश्रित टीम प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाने वाले सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की वापसी से पुरुष युगल टीम को मजबूती मिली है जबकि महिला युगल में ऑल इंग्लैंड की सेमीफाइनलिस्ट गायत्री गोपीचंद और त्रीसा जॉली के अलावा अश्विनी पोनप्पा और उनकी नई जोड़ीदार तनीषा क्रैस्टो को भी शामिल किया गया है।

किदांबी श्रीकांत और मौजूदा सीनियर राष्ट्रीय महिला एकल चैंपियन अनुपमा उपाध्याय एकल में शामिल अन्य खिलाड़ी हैं। भारतीय टीम इस प्रकार हैः पुरुष एकलः एचएस प्रणय, किदांबी श्रीकांत (रिजर्व-लक्ष्य सेन) महिला एकलः पीवी सिंधू, अनुपमा उपाध्याय (रिजर्वः आकर्षी कश्यप) पुरुष युगलः सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी/चिराग शेट्टी, एमआर अर्जुन/ध्रुव कपिला महिला युगलः गायत्री गोपीचंद/त्रीसा जॉली, अश्विनी पोनप्पा/तनीषा क्रैस्टो मिश्रित युगलः तनीषा क्रैस्टो/साई प्रतीक।

दक्षिण अफीका में आयोजन के बाद से ही आईपीएल की लोकप्रियता तेजी से बढ़ी : शास्त्री

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री के अनुसार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का स्तर शुरू से ही काफी अच्छा रहा है। इसी कारण यह लीग विश्व क्रिकेट में नंबर एक पर है पर साल 2009 में दक्षिण अफ्रीका में आयोजन के बाद से ही दुनिया भर में इसकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ी। भारत में आम चुनाव के कारण साल 2009 में आईपीएल का दूसरा संस्करण दक्षिण अफ्रीका में हुआ था। आईपीएल की शुरुआत 15 साल हुई थी तब शास्त्री भी इस लीग की संचालन परिषद में शामिल थे। उन्होंने आईपीएल के शुरुआती दिनों को याद करते हुए कहा,''अगर आप इसमें भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों पर ध्यान दें तो देखेंगे कि क्रिकेट की गुणवत्ता इतनी अच्छी थी कि यह लीग तेजी से आगे बढ़ने लगी हालांकि इसपर अंतिम मुहर तब लगी जब इसका आयोजन दक्षिण अफ्रीका में हुआ। दक्षिण अफ्रीका में सभी लोग आईपीएल को लेकर भारत की तरह ही उत्साहित दिखे।''

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नैनीताल जा रहे हैं तो ये 5 जगह देखना न भूलें

बर्फ से ढके पहाड़ों के बीच झीलों से घिरा नैनीताल उत्तराखंड राज्य का प्रसिद्ध हनीमून स्पॉट है। नैनी शब्द का अर्थ है आंखें और 'ताल' का अर्थ है झील। यहां आकर आपको शांत और प्रकृति के पास होने जैसा महसूस होगा। यहां चारों ओर खूबसूरती बिखरी है। सैर-सपाटे के लिए दर्जनों जगहें हैं, जहां जाकर पर्यटक हैरान रह जाते हैं और प्राकृतिक नजारों को बस देखते ही रहते हैं। आओ जानते हैं यहां के प्रमुख स्पॉट।

नैनीताल घूमने का सबसे अच्छा समय मार्च से जून

1. नैनिताल नैना झील:
यहां कि प्रसिद्ध झील नैना झील है जिसे ताल भी कहा जाता है। ताल में बत्तखों के झुंड, रंग-बिरंगी नावें और ऊपर से बहती ठंडी हवा यहां एक अदभुत नजारा पेश करते हैं। ताल का पानी गर्मियों में हरा, बरसात में मटमैला और सर्दियों में हल्का नीला दिखाई देता है। एक समय में नैनीताल जिले में 60 से ज्यादा झीलें हुआ करती थीं।
2. नैना देवी मंदिर :
इसे नैनीताल इसलिए भी कहा जाता है क्योंकि यहां पर ऊंचे पहाड़ पर नैना देवी का एक मंदिर है।
3. हिल स्टेशन :
बर्फ से ढ़के पहाड़ों के बीच झीलों से घिरा नैनीताल उत्तराखंड राज्य का प्रसिद्ध हनीमून स्पॉट है। यहां टॉप पर नैना चोटी, स्नो व्यू और टिफिन टॉप है। स्नो व्यूप पर आप रोपवे से जा सकते हैं।
4. प्राणी उद्यान नैनिताल :
पंडित जीबी पंत प्राणी उद्यान यहां के प्रसिद्द स्थल है। गोविंद बल्लभ पंत उच्च स्थलीय प्राणी उद्यान नैनीताल बस स्टेशन से लगभग 1 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।
5. हनुमानगढ़ी नैनिताल :
यह यहां का धार्मिक स्थल है जो मुख्य शहर से करीब 4 किलोमीटर दूर पहाड़ी पर है।
इसके अलावा गर्वनर हाउस है और शॉपिंग के लिए आप मार्केट मॉलरोड जा सकते हैं।

अल्मोड़ा एक बहुत ही सुंदर नगर

अल्मोड़ा भारत के उत्तराखंड राज्य का एक बहुत ही सुंदर नगर है। इसके पूर्व में पिथौरागढ़ व चम्पावत, पश्चिम में पौड़ी, उत्तर में बागेश्वर, दक्षिण में नैनीताल स्थित है। अल्मोड़ा में मनोरम पहाड़ी और घाटियां हैं जो आपका दिल मोह लेगी। यदि आप यहां जाने का प्लान कर रहे हैं तो जान लें इस क्षेत्र के बारे में दिलचस्प जानकारी।

अल्मोड़ा हिल स्टेशन

1. अल्मोड़ा में कई मंदिर है। दूनागिरी मंदिर, कसार देवी मंदिर, चितई गोलू मंदिर, नंदादेवी मंदिर, कटारमल सूर्य मंदिर, जागेश्वर धाम मंदिर आदि कई बहुत ही सुंदर और चैतन्य मंदिर है। यहां अंग्रेजों के काल का बोडेन मेमोरियल मेथोडिस्ट चर्च भी है।
2. अल्मोड़ा में घूमने लायक जगह जीरो पाइंट बहुत ही अद्भुत है जो बिनसर अभ्यारण्य में बहुत ऊंचाई पर स्थित है। यहां से आसमान को देखना बहुत ही रोमांचित कर देगा साथ ही यहां से केदारनाथ और नंदादेवी की चोटी को देखना तो आपके आश्चर्य और रोमांच को और भी ज्यादा बढ़ा देगा। यहां से हिमालय की वादियों का दृश्य आपको स्वर्ग में होने का अहसास देगा।
3. अल्मोड़ा से 30 किलोमीटर दूर जलना एक छोटासा पहाड़ी गांव है जहां से आप प्रकृति और एकांत का आदंद ले सकते हैं। यहां पर 480 से अधिक पक्षियों की प्रजातियां, वनस्पतियों की एक विस्तृत श्रृंखला और तितली संग्रह से भरे जंगल पाए जाते हैं।
4. अल्मोड़ा से 3 किमी दूर स्थित, ब्राइट एंड कॉर्नर पाइंट से आप सूर्यास्त और सूर्योदय के लुभावने दृश्य देखकर रोमांचित हो उठेंगे। यह एक विशेष बिंदु है जहां से हिमालय के अविश्वसनीय दृश्य देख सकते हैं। हिमालयी चोटियों में जैसे त्रिशूल I, त्रिशूल II, त्रिशूल III, नंदादेवी, नंदकोट, पंचाचूली इत्यादि को देख सकते हैं।
5. अल्मोड़ा कुमाऊं पर्वत श्रृंखला में स्थित है और यह माउंटेन बाइकिंग के लिए भारत में सबसे लोकप्रिय स्थलों में से एक है। और यदि यदि आप रिवर राफ्टिंग का आनंद लेना चाहते हैं तो काली शारदा नदी जाना होगा।

अल्मोड़ा जाना चाहते हैं तो पहले इसे पढ़ें

6. अल्मोड़ा का बिनसर अभ्यारण्य भी बहुत ही रोमांच से भरा है। अल्मोड़ा हिल स्टेशन से लगभग 33 किलोमीटर की दूरी पर स्थित बिनसर पर्यटन स्थल एक छोटा सा गांव हैं। जोकि देवदार के पेड़ों के हरे-भरे जंगल, घास के मैदान और खूबसूरत मंदिरों के लिए जाना जाता हैं।
7. अल्मोड़ा का डियर पार्क अल्मोड़ा से लगभग 3 किलोमीटर की दूरी पर स्थित हैं। डियर पार्क प्रकृति और वन्यजीव प्रेमियों के लिए शानदार डेस्टिनेशन है। डियर पार्क का सबसे प्रमुख आकर्षण देवदार के हरे-भरे वृक्ष है और उनके बीच घुमते हुए हिरण, तेंदुआ और काले भालू जैसे जानवर इसकी खूबसूरती को देखने लायक बना देते हैं।
8. अल्मोड़ा भारत में कुछ बेहतरीन हस्तशिल्प और सजावटी वस्तुओं के संग्रह के लिए प्रसिद्ध है। यहां पर द्वाराहाट, रानीखेत, चौखुटिया और शीतलाखेत भी घूमने लायक बहुत ही सुंदर स्थान हैं।
9. अल्मोड़ा से करीब 53 किलोमीटर उत्तर दिशा में स्थित है कौसानी नामक हिल स्टेशन जो प्राकृतिक छटा से भरपूर है। यहां देवदार के सघन वन हैं जिनके एक ओर सोमेश्वर घाटी और दूसरी ओर गरुड़ व बैजनाथ घाटी स्थित है।
10. अल्मोड़ा तो किसी भी मौसम में जा सकते हैं लेकिन सबसे अच्छा समय मार्च से अप्रैल का महीना होता है क्योंकि यहां पर शांत वातावरण मिलता है। पंतनगर निकटतम हवाई अड्डा है जहां से अल्मोड़ा 120 किलोमीटर दूर है, काठगोदाम रेलवे स्टेशन यहां से 80 किलोमीटर दूर है। हरिद्वार, नैनीताल, देहरादून और लखनऊ के सड़कमार्ग से अल्मोड़ा जुड़ा हुआ है।

देश की 10 रोमांटिक जगह जरूर जाना चाहिए

रोमांटिक जगह पर घूमने जाना चाहते हैं तो भारत में ऐसी सैंकड़ों रोमांटिक जगहें हैं जहां पर आप जाकर अपने पार्टनर के साथ संबंधों की नई ऊंचाइयों को छू सकते हो। इसके लिए हम लाएं हैं भारत के टॉप 10 रोमांटिकऔर ब्यूटीफुल जगहों की जानकारी।

भारत की टॉप 10 रोमांटिक जगहें

1. गोवा :
समुद्र के किनारे बसा गोवा बहुत ही रोमांटिक जगह है। हनीमून मनाने वालों को भी खूब आकर्षित करता है। रोमांटिक स्थलों में यह सबसे टॉप पर माना जाता है।
2. चंबा :
उत्तराखंड के मसूरी से मात्र 13 घंटे की दूरी पर बसा है चंबा। चंबा की सीढ़ीनुमा सड़कें और ऊंचे-ऊंचे वृक्षों से लदी घुमावदार घाटियां, झुरमुटों में छुपे छोटे-छोटे घर आपके मन को मोह लेंगे।
3. दार्जिलिंग :
'क्वीन ऑफ हिल्स' के नाम से मशहूर दार्जिलिंग हमेशा से एक बेहतरीन हनीमून डेस्टिनेशन रहा है। यह बहुत ही रोमांटिक स्थल है। दूर-दूर तक फैले हरी चाय के खेत मानो धरती पर हरी चादर बिछी हो। सिर्फ चाय बागान नहीं हैं बल्कि यहां की वादियां भी बेहद मनोहारी हैं। बर्फ से ढंके सुंदर पहाड़, देवदार के जंगल, प्राकृतिक सुंदरता, कलकल करते झरने सबका मन मोह लेते हैं।
4. शिमला :
शिमला जाएं या मनाली दोनों ही हिमाचल में स्थित है। दोनों ही हनीमून के लिए सबसे प्रसिद्ध स्थल है। यहां घाटी और चारों ओर हिमालय पर्वत की चोटियों का सुंदर दृश्य दिखाई देता है। चारों ओर से पहाड़ों से घिरे शिमला और मनाली को देखकर रोमांच और रोमांस का अनुभव होता है।
5. ऊटी :
तमिलनाडु का विश्व प्रसिद्ध शहर ऊटी हनीमून के लिए सबसे उपयुक्त स्थान है। इसे पहाड़ों की रानी कहा जाता है। यहां दूर-दूर तक फैली हरियाली, चाय के बागान, तरह-तरह की वनस्पतियां आपको मंत्रमुग्ध कर देगी।
6. लक्षद्वीप :
32 किलोमीटर लंबी भूमि 36 से अधिक छोट-छोटे टापूनुमा द्वीपों में बंटी हुई है, जिसे लक्ष्यद्वीप कहा जाता है। यह दुनिया के सर्वाधिक विहंगम उष्ण कटिबंधी द्वीपों में से एक है। यहां सुंदर सकरे और लंबे लैगून (समुद्र तल, कच्छ या खाड़ी) है। यहां जाकर मन रोमांचित हो उठता है।
7. उदयपुर:
उदयपुर में भी आप कभी भी जा सकते हैं। यहां आप झीलों का मजा ले सकते हैं। यहां की हवेलियों और महलों की भव्यता को देखकर दुनिया भर के पर्यटक मंत्रमुग्ध हो जाते हैं।
8. पचमढ़ी :
होशंगाबाद जिले में स्थित पचमढ़ी मध्यप्रदेश का एकमात्र हिल स्टेशन है जिसे मध्यप्रदेश का श्रीनगर और स्विट्जरलैंड भी कहा जाता है। रोमांटिक स्थलों में यह टॉप पर है।
9. लोनावाला :
महाराष्ट्र में मुंबई से करीब 96 किलोमीटर और खंडाला से लगभग 5 कीलोमीटर दूर स्थित है लोनावला (लोणावळा) हिल स्टेशन। पूणे से मात्र 2 घंटे का रास्ता है। इसे झीलों का जिला कहते हैं। मुंबई और पूना वासियों के लिए यह उनका फेवरिट डेस्टिनेशन है।
10. श्रीनगर:
कश्मीर को पहले सतीसर कहा जाता था और श्रीनगर जिसका पुराना नाम प्रवर पुर है। श्रीनगर के बहाने आप भारत के सबसे खूबसूरत राज्य जम्मू और कश्मीर में घूम सकते हैं। यहां सुंदर झीलों के साथ ही बर्फ से ढके खूबसूरत पहाड़, झील और लंबे-लंबे देवतार के वृक्ष। यह वृक्ष समूचे कश्मीर की शोभा बढ़ाते हैं।

रोमांच और खतरों से भरी मां नंदादेवी की अद्भुत यात्रा

उत्तराखंड के चमोली जिले में जोशीमठ के तपोवन क्षेत्र में नंदा देवी का सबसे ऊंचा पहाड़ है। नंदादेवी के दोनों ओर ग्लेशियर यानी हिमनद हैं। इन हिमनदों की बर्फ पिघलकर एक नदी का रूप ले लेती है। यहां दो बड़े ग्लेशियर है- नंदादेवी नॉर्थ और नंदा देवी साउथ। दोनों की लंबाई 19 किलोमीटर है। इनकी शुरुआत नंदा देवी की चोटी से ही हो जाती है जो नीचे घाटी तक आती हैं। आओ जानते हैं नंदा देवी की ऐतिहासिक यात्रा की 10 खास बातें।

1. माता पार्वती है नंदा देवी: उत्तराखंड के लोग नंदादेवी को अपनी अधिष्ठात्री देवी मानते हैं और यहां की लोककथाओं में उन्हें हिमालय की पुत्री कहा गया है, अर्थात वे माता पार्वती हैं।
2. गढ़वाल-कुमाऊं का मिलन: नंदा देवी गढ़वाल के साथ साथ कुमाऊं कत्युरी राजवंश की ईष्टदेवी थीं और वे उत्तराखंड की बेटी हैं, वह इस यात्रा के माध्यम से अपने ससुराल यानी कैलाश पर्वत जाती हैं। इस ऐतिहासिक यात्रा को गढ़वाल-कुमाऊं के सांस्कृतिक मिलन का प्रतीक भी माना जाता है।
3. सबसे ऊंची चोटी: नंदा देवी पर्वत भारत की दूसरी एवं विश्व की 23वीं सर्वोच्च चोटी है। इस चोटी को उत्तरांचल राज्य में मुख्य देवी के रूप में पूजा जाता है। इससे ऊंची व देश में सर्वोच्च चोटी कंचनजंघा है। नंदा देवी पर्वत लगभग 25,643 फीट ऊंचा है।
4. 12 वर्ष में एक बार यात्रा: नंदा देवी की चढ़ाई अत्यधिक कठिन मानी जाती है। नंदा देवी की कुल ऊंचाई 7816 मीटर यानी 25,643 फीट है। यहां तक पहुंचने के लिए प्रत्येक 12 वर्ष में एक धार्मिक यात्रा का आयोजन होता है प्रतिवर्ष भाद्रपद के शुक्ल पक्ष में नंदादेवी मेला प्रारंभ होता है।
5. हिमालयी कुंभ: चूंकि इस यात्रा का आयोजन कुंभ की तरह हर बारह वर्ष के बाद होता है, इसलिए इसे हिमालयी कुंभ के नाम से भी जाना जाता है।
6. आदि शंकराचार्य ने की थी यात्रश की शुरुआत: नंदा देवी राजजात यात्रा को विश्व की सबसे लम्बी पैदल और धार्मिक यात्रा माना जाता है। इस पहाड़ पर चढ़कर माता के दर्शन करना बहुत ही कठिन होता है। इस यात्रा की शुरुआत आदि शंकराचार्य ने ईसा पूर्व की थी।
7. यात्रा का प्रारंभ और अंत: नंदादेवी की यह ऐतिहासिक यात्रा चमोली जनपद के नौटी गांव से शुरू होती है जो रूपकुंड होकर हेमकुंड तक जाती है जो 18 हजार फुट की ऊंचाई पर स्थित है।
8. रोमांचक और खतरों से भरी होती है ये यात्रा: इस 280 किमी की धार्मिक यात्रा के दौरान रास्ते में घने जंगल, पथरीले मार्गों व दुर्गम चोटियों और बर्फीले पहाड़ों को पार करना पड़ता है। नंदादेवी चोटी के नीचे पूर्वी तरफ नंदा देवी अभयारण्य है। यहां कई प्रजातियों के जीव-जंतु रहते हैं। इसकी सीमाएं चमोली, पिथौरागढ़ और बागेश्वर जिलों से जुड़ती हैं।
9. 19 दिन लगते हैं यात्रा पूर्ण होने में : इस यात्रा को पूरा करने में 19 दिन का समय लग जाता है। इस यात्रा के 19 पड़ाव है। रास्ते में विभिन्न पड़ावों से होकर गुजरने वाली यह यात्रा में भिन्न-भिन्न पड़ावों पर लोग इस यात्रा में मिलकर इस यात्रा का हिस्सा बनते हैं। इस यात्रा का आयोजन नंदादेवी राजजात समिति द्वारा किया जाता है।
10. यात्रा का आकर्षण चौसिंगा खाडू: इस यात्रा का मुख्य आकर्षण चौसिंगा खाडू (चार सींगों वाला भेड़) होता है, जो कि स्थानीय क्षेत्र में राजजात यात्रा शुरू होने से पहले पैदा हो जाता है। उसकी पीठ में दो तरफ थैले में श्रद्धालु गहने, श्रृंगार सामग्री व अन्य भेंट देवी के लिए रखते हैं, जो कि हेमकुंड में पूजा होने के बाद आगे हिमालय की ओर प्रस्थान करता है। यात्रा में जाने वाले लोगों का मानना है कि यह चौसिंगा खाडू आगे विकट हिमालय में जाकर विलुप्त हो जाता है। माना जाता है कि यह नंदादेवी के क्षेत्र कैलाश में प्रवेश कर जाता है, जो आज भी अपने आप में एक रहस्य बना हुआ है।

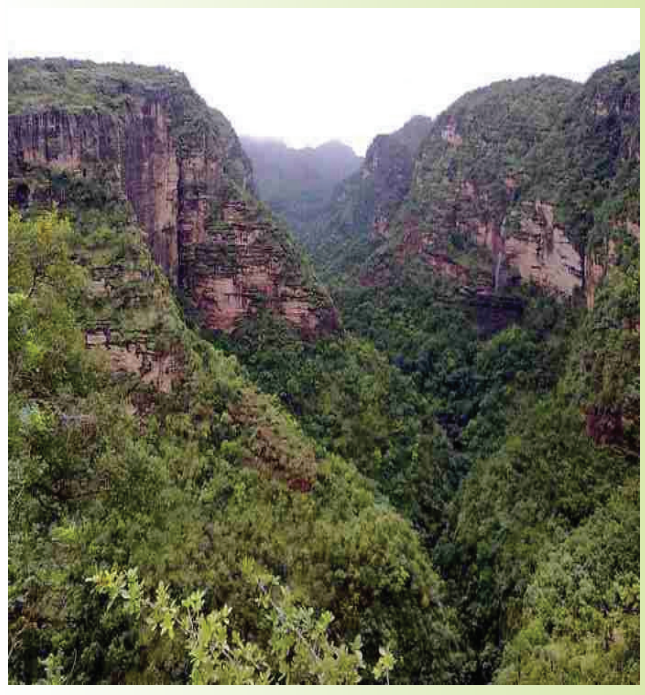

व्हाइट हाउस में गलती से दाखिल हुआ बच्चा, सीक्रेट सर्विस ने माता-पिता को सौंपा

वॉशिंगटन। अमेरिका के व्हाइट हाउस के आसपास लगी लोहे की बाड़ से एक बच्चा फिसल कर गलती से व्हाइट हाउस में प्रवेश कर गया। जिसके बाद यूएस सीक्रेट सर्विस हरकत में आई। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, सीक्रेट सर्विस के संचार प्रमुख एंथनी गुग्लील्मी ने कहा कि बच्चा व्हाइट हाउस के उत्तर की ओर बाड़ के माध्यम से दाखिल हो गया था। जिसके तुरंत बाद ही सीक्रेट सर्विस ने कार्रवाई की। गुग्लील्मी ने कहा कि सीक्रेट सर्विस वर्दीधारी डिवीजन को आज व्हाइट हाउस के उत्तरी फेंस लाइन के पास एक बच्चा मिला उसने व्हाइट हाउस के ग्राउंड में प्रवेश किया था। जिसके बाद व्हाइट हाउस सुरक्षा प्रणालियों ने तुरंत गुप्त सेवा अधिकारियों को ट्रिगर किया। वहीं, उन्होंने थोड़ी देर बाद बच्चे को उसके माता पिता को सौंप दिया। जानकारी के अनुसार व्हाइट हाउस में प्रवेश अस्थायी रूप से प्रतिबंधित था और घटना के समय राष्ट्रपति जो बाइडेन भी व्हाइट के अंदर ही मौजूद थे। गौरतलब है कि व्हाइट हाउस के चारों ओर 64 मिलियन डॉलर की बाड़ 13 फीट लंबी है। यह अपनी पिछली ऊंचाई के आकार से लगभग दोगुना है, जिसे हाल ही में व्हाइट हाउस की सुरक्षा बढ़ाने के लिए एक निर्माण परियोजना के दौरान बढ़ाया गया था। यह पहली बार नहीं है जब कोई बच्चा व्हाइट हाउस की बाड़ से अंदर आया हो, बल्कि इससे पहले भी ऐसी घटना हो चुकी है। गौरतलब है कि 2014 में, तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा के इराक पर राष्ट्र को संबोधित करने से ठीक पहले एक बच्चा व्हाइट हाउस की बाड़ से अंदर प्रवेश कर आया था। उस समय बराक ओबामा के संबोधन में देरी हुई और कुछ समय के लिए व्हाइट हाउस में आवाजाही प्रतिबंधित भी रही।

व्यस्त मार्ग पर हुई गोलीबारी में एक ही घर के चार लोगों की मौत

मेन। अमेरिका के मेन प्रांत में मंगलवार को एक व्यस्त राजमार्ग पर हुई गोलीबारी में तीन लोगों के घायल होने के कुछ घंटों बाद यहां एक घर में चार लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस दोनों घटनाओं को आपस में जोड़कर देख रही है। अधिकारियों के मुताबिक, पुलिस ने शुरुआत में अंतरराज्यीय राजमार्ग के एक हिस्से को बंद कर दिया और आसपास के निवासियों को घरों में रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि हालांकि, आम जनता के लिए किसी खतरे की आशंका नहीं होने के बाद उक्त रास्ते को खोल दिया गया। अधिकारियों के अनुसार, पुलिस ने चार लोगों की हत्या के आरोप में 34 वर्षीय आरोपी जोसेफ इटोन को गिरफ्तार किया है। हालांकि, उन्होंने घटना के कारणों के बारे में विवरण साझा नहीं किया है। पुलिस ने मृतकों की पहचान भी जाहिर नहीं की है।

रॉवन विल्सन न्यूयॉर्क के पहले अश्वेत मुख्य न्यायाधीश बने

एल्बनि। अमेरिका में न्यूयॉर्क की सीनेट ने राज्य के मुख्य न्यायाधीश के तौर पर रॉवन विल्सन की नियुक्ति हो गई है। इस पर मंगलवार को सीनेट ने मुहर लगा दी। वह राज्य के पहले अश्वेत मुख्य न्यायाधीश होंगे। इससे दो महीने पहले सदस्यों ने अदालत के शीर्ष पद के लिए गवर्नर कैथी होचुल के शुरुआती उम्मीदवार को खारिज कर दिया था। विल्सन 2017 से न्यूयॉर्क की शीर्ष अदालत 'कोर्ट ऑफ अपील' में एसोसिएट न्यायाधीश के पद पर कार्यरत रहे हैं। होचुल ने उन्हें इस महीने की शुरुआत में सात सदस्यीय न्यायालय की अगुवाई करने और राज्य की न्याय व्यवस्था की निगरानी के लिए चुना था। इसके बाद मंगलवार को सीनेट ने उनके नाम पर मुहर लगा दी। राज्य सीनेटर ब्रैड हॉयलमैन-सिगल ने सदन में कहा कि न्यायाधीश विल्सन ने साबित किया है कि वह राष्ट्र में और कोर्ट ऑफ अपील के इतिहास में सबसे विचारशील न्यायाधीशों में से एक हैं। ब्रैड हॉयलमैन-सिगल राज्य सीनेट की न्यायपालिका समिति के अध्यक्ष हैं। इससे पहले गवर्नर होचुल ने हेक्टर लासेल को चुना था लेकिन सीनेट के सदस्यों ने अपील न्यायाधीश के तौर पर उनके द्वारा दिए फैसलों के लिए उनकी अलोचना की थी। अप्रत्याशित कदम के तौर पर फरवरी में सीनेट ने लासेल की उम्मीदवारी खारिज कर दी थी।

नेपाली राष्ट्रपति पौडेल को इलाज के लिए विमान से लाया गया भारत

काठमांडू । नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल को इलाज के लिए बुधवार को विमान से भारत लाया गया। उनके कार्यालय ने यह जानकारी दी है। कार्यालय के अनुसार 13 मार्च को पदभार ग्रहण करने वाले 78 वर्षीय राष्ट्रपति नई दिल्ली में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में इलाज कराएंगे। मंगलवार को सांस लेने में तकलीफ की शिकायत के बाद उन्हें काठमांडू के त्रिभुवन यूनिवर्सिटी टीचिंग हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। इस महीने में यह दूसरी बार है, जब पौडेल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पिछले हफ्ते गैस्ट्राइटिस की समस्या के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

लाल आंखें, बुखार, पेट खराब, कहीं ये कोरोना का नया वेरिएंट तो नहीं

-विशेषज्ञों ने दी चेतावनी, यह उन्हें भी संक्रमित कर रहा, जो टीका लगावा चुके

लंदन/वॉशिंगटन । इस समय कोरोना का एक नया वेरियंट लोगों को संक्रमित कर रहा है। भारत सहित दुनिया के कई देशों में कोरोना के मामले एक बार फिर तेजी से बढ़ने लगे हैं। कोविड मामलों में इस उछाल के लिए कोरोना के नए वेरिएंट को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। इस वेरिएंट का नाम आर्कटुरस है। यह ओमीक्रोम का एक सब-वेरिएंट है, जिसे बक्सबीबी.1.16 स्ट्रेन नाम से भी जाना जाता है। यह वेरिएंट अब तक 22 देशों में फैल चुका है जिसमें सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, अमेरिका और भारत भी शामिल है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) विगत 22 मार्च से इस वेरिएंट की निगरानी कर रहा है। कोरोना के नए वेरिएंट तथा इसके लक्षण को लेकर ?विशेषज्ञों ने सलाह भी जारी की है। कोविड के लिए डब्ल्यूएचओ की टेक्निकल लीड डॉ मारिया वैन ने कहा कि यह कुछ महीनों से फैल रहा है। हमने लोगों या आबादी में गंभीरता के स्तर में बदलाव नहीं देखा है। लेकिन स्पाइक प्रोटीन में इसका एक अतिरिक्त म्यूटेशन लैब स्टडी में संक्रामकता में वृद्धि के साथ-साथ संभावित बढ़ी हुई रोगजनकता को दिखाता है। विशेषज्ञ बता रहे हैं कि यह वेरिएंट कोरोना के दो वेरिएंट्स से मिलकर बना है। चिंता की बात यह है कि इसका नया स्वरूप इम्यूनिटी के सुरक्षा कवच को भेद सकता है और उन लोगों को संक्रमित कर रहा है जो पहले कोरोना पॉजिटिव हो चुके हैं या कोरोना का टीका लगवा चुके हैं। कोरोना के नए वेरिएंट के लक्षण पिछले स्वरूपों से बिल्कुल अलग हैं। नया स्वरूप कंजंक्टिवाइटिस या लाल आंखों का कारण बन रहा है, खासकर 12 साल से छोटे बच्चों में। बच्चों को तेज बुखार, खांसी, लाल आंखें, खुजली और आखों से पानी आने की शिकायत हो सकती है। आर्कटुरस के लक्षण एडेनोवायरस जैसे दूसरे वायरस की तरह हो सकते हैं, जो भारत में गर्मी के मौसम में बेहद आम है। विशेषज्ञों के अनुसार अन्य लक्षण सिरदर्द, गले में खराश, बंद नाक, बुखार और मांसपेशियों में दर्द हो सकते हैं। यह मरीज के पाचन तंत्र को भी प्रभावित कर सकता है और दस्त (डायरिया) का कारण बन सकता है। कोरोना का नया वेरिएंट अत्यधिक संक्रामक हो सकता है। वॉरविक यूनिवर्सिटी के वायरोलॉजिस्ट प्रोफेसर लॉरेंस यंग ने बताया कि भारत में नए वेरिएंट का मिलना इस बात का संकेत है कि हम अभी खतरे से बाहर नहीं हैं और हमें इस पर नजर रखनी होगी।

अस्पताल में भीषण आग लगने से 21 लोगों की जलकर हुई मौत, हालात हुए बेकाबू,

बीजिंग। चीन की राजधानी बीजिंग स्थित एक अस्पताल में भीषण आग लगने से कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई। आग करीब आधे घंटे में बुझाई जा सकी। आग किस कारण से लगी है फिलहाल इसकी जांच की जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार बचाव के प्रयास दो घंटे तक जारी रहे, इस दौरान राजधानी शहर के फेंगताई जिले के बीजिंग चांगफेंग अस्पताल से 71 मरीजों को बाहर निकाला गया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया काफी शेयर किया जा रहा है। वीडियो में लोगों को बाहरी एयर कंडीशनिंग इकाइयों पर बैठे देखा गया, जबकि अन्य लोगों को रस्सियों को पकड़ कर इमारत से कूदते देखा गया। आग में झुलसे लोगों की संख्या का अभी पता नहीं चल पाया है। आग लगने के फौरन बाद शहर के शीर्ष अधिकारियों ने अस्पताल का दौरा किया। स्थानीय मीडिया ने बताया कि बीजिंग पार्टी के सचिव यिन ली ने 'दुर्घटना के कारणों की शीघ्र पहचान करने और संबंधित जिम्मेदार व्यक्तियों को जवाबदेह ठहराने' की कसम खाई है।

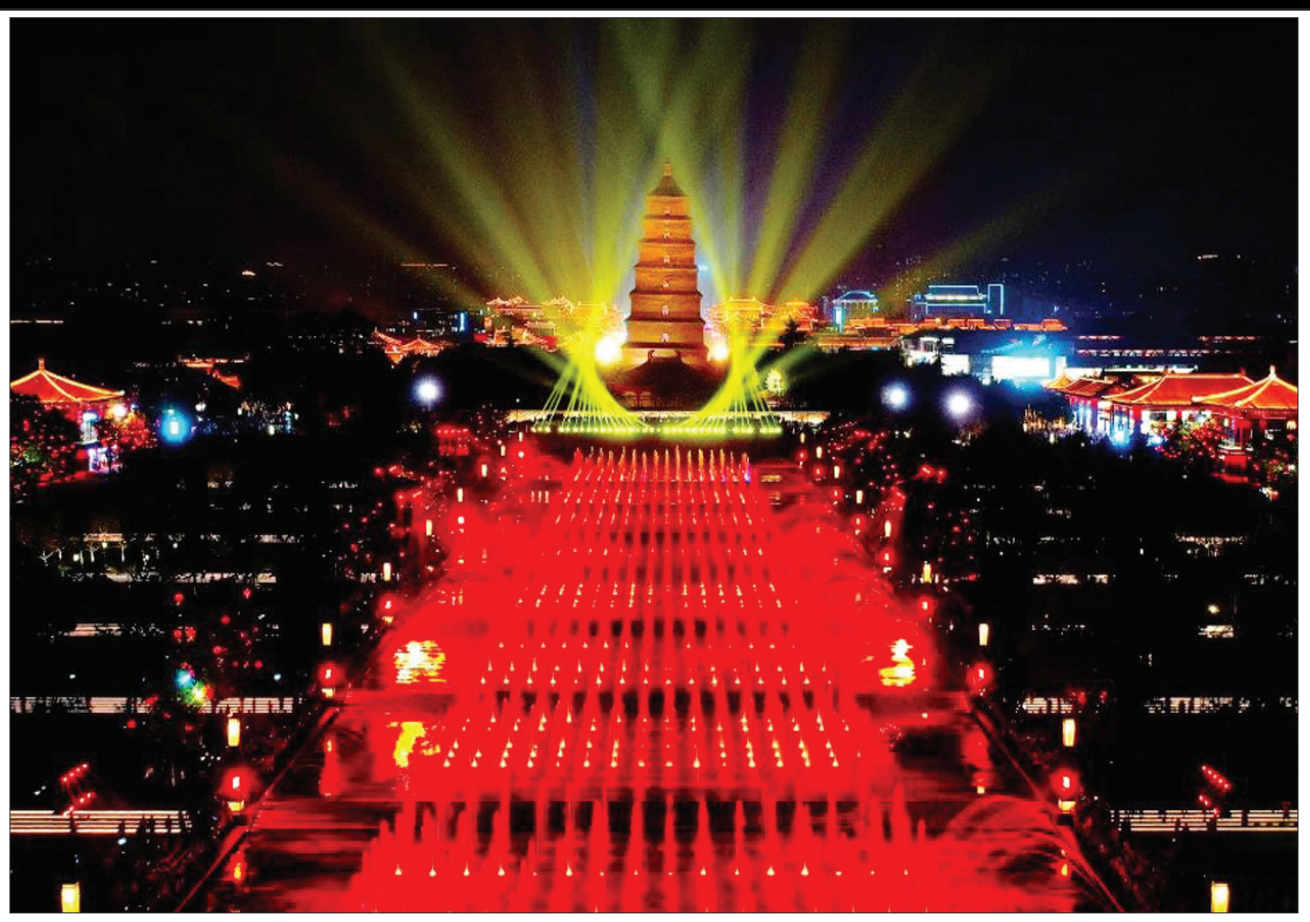

चीन में डेयान पगोडा इलाके में एक तस्वीर में नजर आ रहा म्यूजिकल फाउंटेन।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने सुप्रीम कोर्ट से चुनाव नहीं करने की बात कही, सुरक्षा कारणों का दिया हवाला

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने आतंकवादी हमलों की आशंका को देखकर सुप्रीम कोर्ट से चुनाव कराने के आदेश को वापस लेने का अनुरोध किया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, मंत्रालय ने देश में एक साथ चुनाव कराने का अनुरोध करते हुए सुप्रीम कोर्ट में एक सीलबंद याचिका दायर की है। पाकिस्तान के चुनाव आयोग (ईसीपी), वित्त मंत्रालय और स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) ने पंजाब में चुनाव के लिए धन के प्रावधान के संबंध में अपनी-अपनी रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट को सौंप दी है। एसबीपी ने धन जारी न करने के कारणों का हवाला दिया, जबकि वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट में कैबिनेट के फैसले का विवरण और मामले को संसद में भेजना शामिल था। सूत्रों के मुताबिक, ईसीपी रिपोर्ट में कहा गया है कि चुनावों के लिए धन नहीं है और सुरक्षा को लेकर भी चिंता है। रक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट में देश में बढ़ी सुरक्षा स्थिति के मद्देनजर एक ही दिन चुनाव कराने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला गया है, जिसमें कहा गया है कि सशस्त्र बल अक्टूबर की शुरुआत तक चुनाव कर्तव्यों का पालन करने में सक्षम हैं। रिपोर्ट में कहा गया, खैबर पख्तूनख्वा (केपी) और बलूचिस्तान में चल रही सुरक्षा स्थिति और आतंकवाद-रोधी अभियानों के साथ-साथ पंजाब और सिंध में खुफिया-आधारित अभियानों के कारण, सशस्त्र बल, रेंजर्स, फ्रंटियर कांस्टेबुलरी और अन्य बल छह महीने की अवधि में दो बार चुनाव सुरक्षा मुहैया करने के लिए उपलब्ध नहीं हैं। चुनाव ड्यूटी के लिए सशस्त्र बलों के सदस्यों को तैयार करने के लिए महत्वपूर्ण समय की आवश्यकता है, यह देखते हुए कि बल काफी समय से संचालन में सक्रिय रूप से लगा हुआ है।

भारतीय पर्वतारोही बलजीत कौर और अर्जुन वाजपेयी को नेपाल में अन्नपूर्णा पर्वत से बचाया गया

काठमांडू (एजेंसी)। भारत की प्रमुख महिला पर्वतारोही बलजीत कौर और 2010 में माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय पर्वतारोही अर्जुन वाजपेयी को मंगलवार को नेपाल के अन्नपूर्णा पर्वत से सुरक्षित बचा लिया गया। अभियान आयोजकों के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पूरक ऑक्सीजन का उपयोग किए बिना दुनिया की 10वीं सबसे ऊंची चोटी पर चढ़ने वाली 27 वर्षीय कौर सोमवार को शिखर बिंदु से उतरते समय शिविर-4 के पास से लापता हो गई थीं।

हिमालयन टाइम्स अख़बार ने पायनियर एडवेंचर के अध्यक्ष पासंग शेरपा के हवाले से कहा कि एक हवाई खोजी दल ने कौर को शिविर-4 के ऊपर देखा जिसके बाद उन्हें 7,363 मीटर की ऊंचाई पर अभियान चलाकर बचा लिया गया। शेरपा ने कहा, वह (कौर) शीतदंश से पीड़ित हैं। कौर को इलाज के लिए काठमांडू के सीआईडब्ल्यूईसी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शेरपा के मुताबिक, हवाई खोजी दल ने कौर को शिविर-4 की ओर अकेले उतरते देखा था। रिपोर्ट में कहा गया कि शिखर बिंदु के नीचे अकेली रह गईं अग्रणी भारतीय महिला पर्वतारोही आज सुबह तक रेडियो संपर्क से बाहर रहीं।

मंगलवार की सुबह एक हवाई खोजी अभियान शुरू किया गया जिसके बाद वह तत्काल मदद के लिए एक रेडियो सिग्नल भेजने में कामयाब रहीं। शेरपा के अनुसार, कौर की जीपीएस लोकेशन ने 7,375 मीटर (24,193 फुट) की ऊंचाई का संकेत दिया था। वह सोमवार शाम करीब सवा पांच बजे दो शेरपा गाइड के साथ अन्नपूर्णा चोटी पर पहुंची थीं। उन्हें ढूंढने के लिए कम से कम तीन हेलीकॉप्टर लगाए गए थे। पिछले साल मई में, हिमाचल प्रदेश की निवासी बलजीत कौर ने माउंट ल्होत्से को फतह किया था और एक ही मौसम में 8000 मीटर ऊंची चार चोटियों पर चढ़ने वाली वह पहली भारतीय पर्वतारोही बनीं।

सेवन समिट ट्रेक के अभियान निदेशक छावांग दावा शेरपा ने कहा कि भारतीय पर्वतारोही अर्जुन वाजपेयी को भी 6,800 मीटर की ऊंचाई से बचाया गया। द काठमांडू पोस्ट अखबार ने पर्यटन विभाग के निदेशक युबराज खातीवाड़ा के हवाले से कहा कि वाजपेयी को चोट आई है। वाजपेयी (29) को विमान से काठमांडू लाए जाने के बाद इलाज के लिए हम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वाजपेयी पहले ही माउंट एवरेस्ट, माउंट ल्होत्से, माउंट मकालू, माउंट कंचनजंगा, माउंट मनासलू और चो-ओयू पर चढ़कर पर्वतारोहण के कई विश्व रिकॉर्ड बना चुके हैं।

राजस्थान के किशनगढ़ निवासी अनुराग मालू सोमवार को अन्नपूर्णा पर्वत के तीसरे शिविर से उतरते समय लापता हो गए थे और लगभग 6,000 मीटर गहरी दरार में गिर गए थे। पांच शेरपा पर्वतारोहियों की एक टीम मालू की तलाश कर रही है। रिपोर्ट में शेरपा के हवाले से कहा गया है कि पाकिस्तानी पर्वतारोही शहरोज़ काशिफ़ और नैला कियानी को भी शिखर बिंदु से नीचे उतरने के दौरान बीमार पड़ने के बाद सुरक्षित बचा लिया गया। इसी तरह, अन्नपूर्णा पर्वत को फतह करने वाले नेपाली सेना के कप्तान सुमन पांडे को भी स्वास्थ्य समस्याओं की शिकायत के बाद शिविर से बचाया गया। सेवन समिट ट्रेक्स के अध्यक्ष मिंगमा शेरपा के अनुसार, सर्दियों के मौसम में के-2 के शिखर पर पहुंचने वाले आयरलैंड के पहले व्यक्ति नोएल हन्ना का कल रात शिविर-4 में निधन हो गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि हन्ना के शव को मंगलवार को वापस काठमांडू लाया गया। अन्नपूर्णा दुनिया का दसवां सबसे ऊँचा पर्वत है, जो समुद्र तल से 8,091 मीटर की ऊंचाई पर है। इसकी चढ़ाई अत्यंत दुर्गम और खतरों से भरी होती है।

पीएम मोदी ने किया जो काम, वही कदम पहुंचाएगा चीन को आराम, रूस के सहारे दुनिया में छाने की तैयारी में जिनपिंग

बीजिंग (एजेंसी)। जब से रूस और यूक्रेन के बीच जंग चल रहा है तभी से भारत और रूस की दोस्ती पर भी चर्चा हो रही है। भारत ने जंग का समर्थन तो नहीं किया लेकिन दबाव के बावजूद रूस का साथ भी नहीं छोड़ा। रूस ने भी दोस्ती का फर्ज निभाया और भारत को सस्ता तेल दिया। रूस से इस तेल सप्लाई को रोकने के लिए पश्चिमी देशों ने भारत को ज्ञान, नसीहत, धमकी सब दी। लेकिन आप ये जानकर हैरान रह जाएंगे कि रूस से भारत को जो सस्ता तेल मिला उसका क्या हुआ? भारत ने सबसे पहले रूस से मिले सस्ते कच्चे तेल को रिफाइन किया। उससे डीजल और जेट फ्यूल बनाया। फिर उसके बाद ये डीजल और जेट फ्यूल यूरोप को ही बेच दिया। कुल मिलाकर कहें तो भारत रूस का सबसे बड़ा तेल सप्लायर बन गया है।

वैसे तो चीन दुनिया का सबसे बड़ा क्रूड ऑयल सप्लायर है और उसके बाद भारत का नाम आता है। लेकिन रूसी क्रूड चीन के मुकाबले भारत में अधिक आ रहा है और इसकी वजह से उसे अपने महंगाई के आंकड़ों को सुधारने में मदद भी मिली है। अब इसी नक्शेकदम पर चीन भी चलने जा रहा ही और इसकी शुरुआत भी उसने कर दी है। जीरो कोविड पॉलिसी के बुरी तरह फेल होने की वजह से चीन आर्थिक मोर्चे पर बुरी तरह ध्वस्त है। ऐसे में उसे रिकवरी के लिए विभिन्न मोर्चों पर मदद की दरकार है। ऐसे में रूसी तेल चीन की काफी मदद कर सकते हैं। मौजूदा समय में रूस प्रतिबंधों की वजह से सस्ता क्रूड ऑयल बेच रहा है। ट्रैंकर कंसल्टेंसी वोरटेक्सा और केप्लर के अनुमान के अनुसार लगभग 43 मिलियन बैरल रूसी कच्चा तेल मार्च के महीने में चीन पहुंचा है। इस आंकड़े के 50 मिलियन तक जाने का अनुमान है।

तालिबान ने दी पाक को धमकी, हमसे लड़ना बंद करो वरना परिणाम भुगतो

काबुल (एजेंसी) पाकिस्तान की खस्ताहाल अर्थव्यवस्था और बिगड़ती सुरक्षा व्यवस्था अब किसी से नहीं छिपी है। यही वजह है कि तालिबान ने भी पाक को हिदायत दे ही है। गौरतलब है कि 12 साल पहले अमेरिका की विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने पाकिस्तान को चेतावनी दी थी कि अपने घर के पीछे पड़ोसियों के लिए सांप मत पालो। एक दिन ये सांप तुम्हें ही डसेगा। लेकिन तब पाकिस्तान को आंतक फैलाना था। अब पाकिस्तान के साथ यही हो रहा है कि उसका पाला हुआ सांप उसे ही डस रहा है। उस सांप का नाम है तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान यानी टीटीपी जो इन दिनों पाकिस्तान के लिए सिर दर्द बना हुआ है। पाकिस्तान वैसे तो आर्तकियों का सबसे महफूज पनाहगाह है, इस बात से तो पूरी दुनिया वाकिफ है। हाल ही में आतंकी संगठन टीटीपी ने एक वीडियो जारी किया है और इसके जरिए पाकिस्तान को चेतावनी भी दे डाली है। पाकिस्तानी तालिबान ने बिगड़ती सुरक्षा और आर्थिक स्थिति के बीच आतंकवादी समूह से लड़ना जारी रखने पर देश की पुलिस को परिणाम भुगतने की चेतावनी दी है।

एक वीडियो संदेश में टीटीपी ने पुलिस से आतंकवाद के खिलाफ युद्ध बंद करने और पुलिस बल प्रयोग को छोड़ने की मांग की है। पाक पुलिस को भेजे वीडियो संदेश में टीटीपी ने पुलिसकर्मी से युद्ध से दूर रहने को कहा है। गौरतलब है कि इन दिनों पाकिस्तान के दो राज्यों खैबर पख्तूनवा और बलूचिस्तान दोनों ही जगहों पर विद्रोह भड़का हुआ है। बलूचिस्तान आजादी मांग रहा है तो केपीके यानी खैबर के पश्तून पाकिस्तान पर ही कब्जा चाहते हैं। यहां पंद्रह साल पहले पाकिस्तानी सुरक्षा प्रतिष्ठान ने अच्छे और बुरे तालिबान की संज्ञा दुनिया के सामने रखी थी। अच्छे तालिबान मतलब सुन्नी चरमपंथी समूह में जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा सहित क्षेत्र में पाकिस्तान के हितों की सेवा करने वाले समूह शामिल थे। जबकि टीटीपी को बुरे तालिबान की श्रेणी में रखा गया।

पाकिस्तान में बढ़ती जा रही है चीन विरोधी भावनाएं? कराची में कई चीनियों के कारोबार बंद

इस्लामाबाद(एजेंसी)। पाकिस्तान के कराची में पुलिस ने चीन के कुछ नागरिकों के कारोबार को बंद कर दिया है। इनमें एक रेस्तरां, एक सुपरमार्केट और मरीन-प्रॉडक्ट कंपनी शामिल हैं। ये कदम चीनी नागरिकों पर हमले की आशंका को देखते हुए उठाया गया है। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, पाक को डर है कि चीनियों पर हो रहे आतंकी हमलों से दोनों देशों के रिश्तों में दरार आ सकती है। चीन विरोधी भावना बढ़ती जा रही है। बता दें कि पाकिस्तान के खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत में एक बांध पर काम कर रहे एक चीनी नागरिक को स्थानीय पुलिस ने ईशनिंदा के

आरोप में हिरासत में ले लिया था। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चाइना गेझोउबा ग्रुप कंपनी में इंजीनियर इस शख्स की नमाज के लिए लंबे ब्रेक और रमजान के दौरान काम की धीमी गति को लेकर स्थानीय कर्मचारियों के साथ तीखी बहस हुई थी। पाकिस्तान की आतंकवाद रोधी अदालत ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में ईशनिंदा के आरोपी चीनी नागरिक को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। सुरक्षा कारणों से उसे सेना के हेलीकॉप्टर से एबटाबाद ले जाया गया था, क्योंकि पुलिस को आशंका थी कि स्थानीय लोग उसे नुकसान पहुंचा सकते हैं। अखबार ने बताया कि एबटाबाद की आतंकवाद रोधी अदालत ने ईशनिंदा के मामले में गिरफ्तार तियान को 14 दिनों के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान के सख्त ईशनिंदा कानून में अपराध साबित होने पर मौत की सजा का प्रावधान है।

उत्तर कोरिया ने तैयार किया अपना पहला सैन्य जासूसी उपग्रह

वाशिंगटन (एजेंसी)। सियोल(ईएमएस)। उत्तर कोरिया ने अपना पहला सैन्य जासूसी उपग्रह तैयार कर लिया है। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने कहा है कि उनके देश ने अपने पहले सैन्य जासूसी उपग्रह को अधिकारियों को तय योजना के तहत प्रक्षेपण का निर्देश दिया गया है। यहां के सरकारी मीडिया से बुधवार को जानकारी मिली कि मंगलवार को उत्तर कोरिया की एयरोस्पेस एजेंसी का दौरा करने के दौरान किम ने कहा कि अमेरिका और उसके सहयोगी देशों से सुरक्षा के समक्ष मौजूद खतरे को देखते हुए अंतरिक्ष आधारित निगरानी प्रणाली हासिल करना अहम है। उत्तर कोरिया ने कहा है कि उसने अमेरिका और उसके क्षेत्रीय सहयोगियों-दक्षिण कोरिया व जापान के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास के जवाब में बड़े पैमाने पर हथियारों का परीक्षण किया है, जिनमें ठोस ईंधन आधारित पहली अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण भी शामिल है। इस मिसाइल को अमेरिका पर हमले के लिए डिजाइन किया गया है। केसीएनए के मुताबिक, किम ने राष्ट्रीय एयरोस्पेस विकास प्राधिकरण में कहा कि युद्ध रोकने के अपने तरीकों का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल करने के वास्ते उत्तर कोरिया के लिए सैन्य टोह लेना महत्वपूर्ण है। किम ने कहा कि सैन्य टोह उपग्रह संख्या एक का निर्माण अप्रैल में किया गया। उन्होंने आदेश दिया कि इसके प्रक्षेपण से जुड़ी तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए युद्ध स्तर पर प्रयास किए जाएं। हालांकि, उपग्रह के प्रक्षेपण की तारीख के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। किम ने कहा कि उत्तर कोरिया को खुफिया जानकारी एकत्रित करने की व्यापक क्षमता हासिल करने के लिए कई उपग्रहों का प्रक्षेपण करना चाहिए। उन्होंने अमेरिका और दक्षिण कोरिया पर अपने गठबंधन को मजबूत करने के नाम पर उत्तर कोरिया के खिलाफ शत्रुतापूर्ण सैन्य अभियानों का विस्तार करने का आरोप लगाया।

चीन 4 मौजूदा रिसर्च बेस पर कर रहा लगातार विस्तार, पश्चिमी देशों की बढ़ी चिंता

-चीन ने अंटार्कटिका में बना रहे पांचवें बेस के निर्माण में लाई तेजी

बीजिंग (एजेंसी)। चीन दूसरे देशों की जासूसी के लिए नए-नए हथकंडा अपनाने से बाज नहीं आ रहा है। अब चीन अंटार्कटिका में अपने पांचवें रिसर्च बेस के निर्माण में और तेजी ला रहा है, जिसके माध्यम से वह अन्य देशों की जासूसी कर सकता है। रॉस सागर के पास इनएक्सप्रेसिबल द्वीप पर स्थित नए स्टेशन से महाद्वीप तक पहुंचने की देश की क्षमता में बढ़ोतरी कर सकता है। शोधकर्ताओं ने पहली बार 2018 में बेस की नींव रखी थी, लेकिन अगले कुछ वर्षों में इसका काम रुक गया। जब इस निर्माण की खबर पश्चिमी देशों के कान में पड़ी तो उन्होंने ध्रुवीय क्षेत्र में चीन की बढ़ती मौजूदगी को लेकर चिंता जाहिर की।

पश्चिमी देशों को डर है कि बीजिंग आर्कटिक के लिए नए शिपिंग मार्ग विकसित करने का ढोंग कर रहा है। इसके बजाय वह अपनी जासूसी क्षमताओं को बढ़ाने की कोशिश में है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने करीब एक दशक पहले पहली बार दक्षिणी गोलार्ध्द को समझने, संरक्षित करने और इस्तेमाल करने की अपनी योजनाओं का खुलासा किया था, तब से यह चीन के ध्रुवीय निर्माणों का स्लोगन बन गया क्योंकि चीन अपने चार मौजूदा रिसर्च बेस पर लगातार विस्तार कर रहा है।

हालिया सैटेलाइट तस्वीरों से पता चलता है कि टीमों के पास अब उपकरण की कमी नहीं है और निर्माण कार्य चल रहा है। वॉशिंगटन स्थित एक थिंक टैंक की ओर से जनवरी में इकट्ठा की गई तस्वीरों से पता चलता है कि निर्माण कार्य चार साल से अधिक समय बाद फिर से शुरू हुआ है। सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज ने नई सुविधाओं, अस्थायी इमारतों और एक हेलिकॉप्टर पैड की पहचान की है।

दावा किया जा रहा है कि पूरा होने पर यह चीन के जुएलॉन्ग आइसब्रेकर जहाजों के लिए एक घाट और सैटेलाइट ग्राउंड स्टेशन के साथ एक ऑब्जर्वेटरी के रूप में काम करेगा। 5 हजार स्क्वायर मीटर के स्टेशन की एक विशालकाय मुख्य इमारत का जमीनी निर्माण कार्य भी तस्वीरों में देखा जा सकता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि बेस 2024 तक पूरा हो सकता है। चीन का कहना है कि पांचवें बेस का निर्माण निश्चित रूप से अंटार्कटिका को समझने में उनकी क्षमता को बढ़ाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अतीक अहमद के दोनों नाबालिग बेटों की जान की हिफाजत की गारंटी दी जाए : सपा सांसद डॉ. शफीकुर्रहमान बर्क

संभल । अतीक अहमद और अशरफ अहमद की पुलिस कस्डटी में हत्या पर सपा सांसद डॉक्टर शफीकुर्रहमान बर्क ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सीधे-सीधे यूपी सरकार पर हत्या कराने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि यूपी में सुरक्षा नहीं, मुल्क में इंसाफ नहीं तो अदालतें बंद कर देना चाहिए। सपा सांसद ने जेल में बंद अतीक के दोनों नाबालिग बच्चों की सरकार से सुरक्षा की गारंटी मांगी। सांसद ने कहा कि पुलिस और अदालत कानून सब कुछ है। हमारे पास पुलिस की कस्टडी में किसी को मारा जाएगा तो अदालत की क्या जरूरत हमें अदालत फिर बेकार हो गई, उनका क्या असर होगा। उनके साथ जुर्म हुआ है। कानूनी इंसाफ नहीं मिला, जब होता चाहे उनको सजा-ए-मौत होती, चाहे उनको फांसी पर लटकाया जाता। जो कुछ भी होता उसके लिए अदालत मौजूद है। हमारे पास कांस्टीट्यूशन ऑफ इंडिया मौजूद है। अदालत बनी हुई है। अदालत को उनके केस को भेजना चाहिए था। अब तो जुर्म की इंतहा हो गई है। कानून तो इतनी ताकत नहीं देता, जिसको चाहें, जिससे मरवा दें। सपा सांसद शफीकुर्रहमान बर्क ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर आरोप लगाया कि उन्होंने सारी ताकत अपने हाथ में ले ली है, अदालत भी अपनी ताकत का इस तरह इस्तेमाल नहीं करती। सांसद बर्क ने कहा कि योगी सरकार अतीक के परिवार के साथ जातीय दुश्मनी निभा रही है। ऐसा नहीं होना चाहिए। मुल्क में इंसाफ और सजा के लिए देश का कानून है। सपा सांसद ने कहा कि वह लेटर तो मिल चुका है, उन्होंने इंसाफ मांगा था। पुलिस कस्टडी में लाए फिर कैसे मारे गए। वह यूपी और सेंटर दोनों की बड़ी लापरवाही है। असली तो यूपी की है। यूपी सरकार की नियत सही नहीं है। अतीक और अशरफ को तो मार दिया गया, लेकिन उसके दोनों नाबालिग बच्चों की सुरक्षा की जाए। बीते शनिवार रात को अतीक और अशरफ को मेडिकल टेस्ट के लिए अस्पताल लाया जा रहा था, इस दौरान पत्रकार बनकर आए तीन युवकों ने दोनों भाइयों पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं, जिससे दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

इंडिगो एयरलाइन में मच्छरों का आतंक, यात्रियों ने की शिकायत

अमृतसर। इंडिगो एयरलाइन इन दिनों मच्छरों के आतंक से परेशान है। मंगलवार रात को अहमदाबाद को जाने वाली इंडिगो एयरलाइन की उड़ान में लगातार यात्रियों के इर्द-गिर्द मच्छर भिनभिनाते रहे। जिस कारण दो घंटे की यात्रा के कारण यात्री बेहद परेशान हो गए और इसकी शिकायत एयरलाइन कंपनी और उड़ान के स्टाफ को गई। मच्छरों के कारण हुई परेशानी को गंभीरता से लेते हुए एयरलाइन की ओर से यात्रियों से खेद प्रकट करते हुए माफी मांगी और साथ ही भविष्य में इस तरह परेशानी न हो, इस बारे भी ध्यान रखने की बात कही। जानकारी मुताबिक मंगलवार रात आठ बजे को श्री गुरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट से फ्लाइट संख्या 6ई645 अहमदाबाद के लिए रवाना हुई थी। विमान रात 10:15 बजे अहमदाबाद पहुंचा। इस दौरान पूरे रास्ते मच्छर यात्रियों को परेशान करते रहे। इतनी बड़ी विमानन कंपनी के इस तरह के रवैये से यात्रियों में काफी रोष था। विमान में इस तरह की समस्या को लेकर कई यात्रियों ने शिकायत भी की। इसी बीच अहमदाबाद के होम्योपैथी डॉक्टर क्यूर मजूमदार ने तुरंत विमान के स्टाफ को बुलाया और इस संबंधी शिकायत की। बाद में उन्होंने अपने ट्वीट के जरिए भी अपनी शिकायत एयरलाइन कंपनी तक पहुंची। जिसमें उन्होंने पूरे रास्ते हुई परेशानी का बारे में बताया। हालां?कि शिकायत के बाद एयरलाइन कंपनी की ट्यूब पर उतर देते हुए यात्रियों से तुरंत माफी मांगी। कहा गया कि हम समझते हैं कि आन-बोर्ड मच्छरों को देखना निश्चित रूप से असुविधाजनक है और हम इस तरह की प्रतिक्रिया को गंभीरता से लेते हैं। जबकि हमारा सभी उड़ानों का प्रत्येक प्रस्थान से पहले फ्यूमिगेशन किया जाता है। आगे बढ़ते हुए हमारी टीम उड़ान के दौरान बेहतर उपाय करेगी। कंपनी ने माफी तो मांग ली लेकिन इस तरह की घटना से कई सवाल खड़े हो गए हैं।

केजरीवाल सहित आठ मुख्यमंत्री आ चुके हैं सीबीआई जांच के घेरे में

नई दिल्ली । राजनीति में कुछ भी असंभव नहीं है। कौन किसका दोस्त और शत्रु बन जाता है कहा नहीं जा सकता। यह सब देश काल और परिस्थिति पर निर्भर करता है। यही स्थिति जननेताओं की है। भरपूर मत व समर्थन के बावजूद भी सरकार चलाने वाले जनप्रतिनिधि कभी-कभी ऐसी चूक कर जाते हैं कि उन्हें सीबीआई के समक्ष हाजरी देनी पड़ जाती है। कई बार यह राजनीति से प्रेरित होती है तो कई बार भ्रष्टाचार का मामला होता है। गौरतलब है कि बीते तीन दशकों में सीबीआई के समक्ष पेश होने वाले मुख्यमंत्रियों में उत्तर प्रदेश के नेताओं की संख्या सर्वाधिक है। सूची में उत्तर प्रदेश के सबसे कम उम्र के मुख्यमंत्री बने अखिलेश यादव सहित अन्य तीन मुख्यमंत्रियों में उनके पिता और समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष रहे मुलायम सिंह यादव बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व कद्दावर नेता कल्याण सिंह शामिल हैं। इसके अलावा चारा घोटाले में बिहार के मुख्यमंत्री लालू यादव और उनकी पत्नी राबड़ी देवी मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान तथा हाल ही में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी इस सूची में शामिल हो गए। हाल ही में कथित शराब नीति मामले में सीबीआई ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पूछताछ के लिए बुलाया। सीबीआई ने लगभग साढे 9 घंटे तक उनसे पूछताछ की। गौरतलब है कि केजरीवाल के नेतृत्व में फरवरी 2015 के चुनावों में उनकी पार्टी ने 70 में से रिकॉर्ड 67 सीटें जीतकर भारी बहुमत हासिल किया और 14 फरवरी 2015 को वह दोबारा दिल्ली के मुख्यमंत्री बने। 16 फरवरी 2020 से वे तीसरी बार दिल्ली के मुख्यमंत्री पद पर आसीन हैं। उल्लेखनीय है कि शराब नीति में कथित फेरबदल को लेकर आप पार्टी के नेता व दिल्ली सरकार के उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया पहले से ही जेल में है।

ईद और परशुराम जयंती से पहले सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, अलर्ट पर रहेगी यूपी पुलिस

लखनऊ। प्रदेश में सुदृढ़ कानून व्यवस्था बनाए रखने के प्रयासों के क्रम में गुरुवार को प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद, पुलिस महानिदेशक आरके विश्वकर्मा व स्पेशल डीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार द्वारा सभी एडीजी ज़ोन, मंडलायुक्त, जिलाधिकारी, पुलिस कमिश्नर, आईजी, डीआईजी, एसएसपी/एसपी आदि के साथ समीक्षा बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई बैठक में प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद ने कहा कि हालिया वर्षों में प्रदेश में सभी धर्मों के पर्व और त्योहार शांति और सौहार्द के माहौल के बीच संपन्न हुए हैं। इससे पूरे देश में एक अच्छा संदेश गया है। प्रदेश में हर एक नागरिक की सुरक्षा हम सभी का प्राथमिक दायित्व है। हमें अपने इस दायित्व के प्रति सदैव सतर्क-सावधान रहना होगा। उन्होंने कहा कि रमजान का महीना चल रहा है। आगामी 22 अप्रैल को ईद-उल-फितर, अक्षय तृतीया और परशुराम जयंती का पर्व एक ही दिन होना संभावित है। वर्तमान परिवेश को देखते हुए पुलिस को अतिरिक्त संवेदनशील रहना होगा। उन्होंने निर्देश दिए कि हर एक पर्व शांति और सौहार्द के बीच सम्पन्न हों, इसके लिए स्थानीय जरूरतों के दृष्टिगत सभी जरूरी प्रयास किए जाएं। शरारतपूर्ण बयान जारी करने वालों के साथ कड़ाई से पेश आएं। माहौल खराब करने की कोशिश करने वाले अराजक तत्वों के साथ पूरी कठोरता की जाए। प्रमुख सचिव गृह ने निर्देश दिए कि फील्ड में तैनात सभी अधिकारी यह सुनिश्चित कराएं कि धार्मिक कार्यक्रम, पूजा-पाठ आदि निर्धारित स्थान पर ही हों। किसी भी दशा में सड़क मार्ग, यातायात बाधित कर कोई धार्मिक आयोजन न हो। पूर्व में हमने संवाद-संपर्क के माध्यम से ऐसा कर पाने में सफलता पाई है। इस वर्ष भी हमें ऐसा ही प्रयास करना होगा। उन्होंने निर्देश दिए कि कोई शोभायात्रा/धार्मिक जुलूस बिना विधिवत अनुमति के न निकाली जाए। अनुमति केवल उन्हीं धार्मिक जुलूसों को दिया जाए, जो पारंपरिक हों, नए आयोजनों को अनावश्यक अनुमति न दी जाए। प्रमुख सचिव गृह ने सोशल मीडिया को लेकर अधिकारियों को संवेदनशील रहने की जरूरत भी बताई। उन्होंने कहा कि फेक न्यूज़ पर तत्काल रिस्पॉन्स दें। एक छोटी सी अफवाह माहौल खराब करने का बड़ा कारण बन सकती है। अफवाह/फेक न्यूज का खंडन पुलिस कप्तान जैसे वरिष्ठ अधिकारी द्वारा की जाए। समीक्षा बैठक में पुलिस महानिदेशक आरके विश्वकर्मा ने सभी ज़ोन/रेंज/जिला स्तरीय अधिकारियों से आगामी पर्व और त्योहारों को लेकर की गई तैयारियों का ब्यौरा लिया। उन्होंने कहा कि पर्व और त्योहार के बीच सामाजिक सौहार्द बना रहे इसके लिए संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाए। धार्मिक स्थलों की सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध हों। ड्रोन का उपयोग कर स्थिति पर नजर रखें।

सूडान में घातक संघर्ष, एक भारतीय की गोली लगने से मौत

-फंसे भारतीयों की सुरक्षा को लेकर भारत सतर्क, सऊदी और यूएई ने दिया मदद का भरोसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। (ईएमएस)। सूडान में सेना व अर्धसैनिक बल में जारी संघर्ष में एक भारतीय की गोली लगने से मौत हो गई है। इधर हिंसा की स्थिति पर भारत करीबी नजर रखे हुए हैं और वहां खास तौर से भारतीयों की सुरक्षा को लेकर विभिन्न देशों के संपर्क में है। इसी कड़ी में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हिंसाग्रस्त सूडान की स्थिति पर सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के विदेश मंत्रियों के साथ बातचीत की है। गौरतलब है कि सूडान में पिछले 6 दिन से देश की सेना और एक अर्धसैनिक समूह के बीच घातक संघर्ष जारी है, जिसमें कथित तौर पर करीब 100 लोग मारे जा चुके हैं। सूडान की राजधानी खार्तूम में जारी व्यापक हिंसा के बीच वहां भारतीय दूतावास ने सोमवार को जारी परामर्श में भारतीयों से घरों से बाहर नहीं निकलने व शांत रहने को कहा था। वहीं दूतावास ने कहा था कि खार्तूम में गोली लगने से घायल हुए भारतीय नागरिक की मौत हो गई है। विदेश मंत्री जयशंकर ने संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नह्यान के साथ टेलीफोन पर बातचीत के बाद कहा कि उन्होंने यूएई के अपने समकक्ष के साथ सूडान की स्थिति को लेकर चर्चा की। जयशंकर ने ट्वीट किया, 'यूएई के विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायेद अल नह्यान का सूडान की स्थिति पर विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए धन्यवाद। हमारा लगातार समन्वय मददगार है।' विदेश मंत्री ने सऊदी अरब के विदेश मंत्री फैसल बिन फरहान से भी बातचीत की। उन्होंने ट्वीट किया, 'सऊदी अरब के विदेश मंत्री फैसल बिन फहरान से अभी-अभी बात की। हम करीबी सम्पर्क कायम रखेंगे।'

इधर सरकारी सूत्रों ने बताया कि सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्रियों ने जयशंकर को जमीन पर व्यवहारिक समर्थन प्रदान करने का आश्वासन दिया है। भारत संयुक्त राष्ट्र के साथ भी काम कर रहा है, जिसकी सूडान में पर्याप्त उपस्थिति है। वहीं भारतीयों की स्थिति के बारे में सवाल पर उन्होंने कहा कि सूडान के हालात पर विदेश मंत्रालय और दूतावास दोनों लगातार नजर बनाए हुए हैं। सुरक्षा चिंता को लेकर हमें विशिष्ट विवरण नहीं दे सकते।' नई दिल्ली में हमने एक समर्पित नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। उन्होंने कहा, 'हम खार्तूम में अपने दूतावास के साथ लगातार संपर्क में हैं और भारतीय समुदाय की स्थिति की नियमित रिपोर्ट प्राप्त कर रहे हैं। वहीं भारतीय दूतावास भी वॉट्सएप ग्रुप सहित कई तरीकों से भारतीय समुदाय और लोगों के संपर्क में है।

जानकारी के अनुसार भारतीय मिशन ने कहा है कि खार्तूम में हिंसा शुरू होने के बाद ताजा जानकारी के आधार पर दूसरे दिन भी संघर्ष कम नहीं हुआ है। हम भारतीयों से आग्रह करते हैं कि वे जहां हैं, वहीं पर रहें और बाहर न निकलें।' आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, सूडान में करीब 4000 भारतीय रहते हैं। सूडान की सेना ने अक्टूबर 2021 में तख्तापलट कर सत्ता पर कब्जा कर लिया था और तब से वह एक संप्रभु परिषद के माध्यम से देश चला रही है। सूडान पर नियंत्रण को लेकर देश की सेना तथा शक्तिशाली अर्द्धसैनिक बल के बीच लगातार खींचतान जारी है।

शिवसेना की तरह एनसीपी को भी तोड़ना चाहती है भाजपा : संजय राउत

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के नेता संजय राउत ने कहा है कि भाजपा पार्टी शिवसेना की तरह ही एनसीपी को भी तोड़ना चाहती है। लेकिन उनकी चाल कामयाब नहीं होने वाली है। यह बयान तब आया है जब एनसीपी नेता और महाराष्ट्र के पूर्व सीएम अजीत पवार ने बीजेपी में शामिल होने की अटकलों का खंडन किया है। चर्चा थी कि अजीत पवार कई विधायकों संग एनसीपी छोड़ बीजेपी में शामिल होने जा रहे हैं। अब जब अजीत पवार ने अटकलों को खारिज किया है तो विरोधी दलों को बीजेपी पर हमला बोलने का मौका मिल गया है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता संजय राउत ने कहा है कि हमने बीजेपी का नकाब उतार दिया। उन्होंने दावा किया कि बीजेपी विपक्षी दलों को तोड़ने के लिए जांच एजेंसियों का इस्तेमाल कर रही है। महाराष्ट्र, बिहार और पश्चिम बंगाल में एजेंसियों का सबसे ज्यादा इस्तेमाल हो रहा है। राउत ने कहा कि हम सभी लोग इस षड़यंत्र के खिलाफ लड़ने के तैयार हैं और डटकर लड़ेंगे। उन्होंने कहा था कि जिस तरह जांच और पुलिस की मदद से शिवसेना को तोड़ा गया था, उसी तरह से अब एनसीपी को तोड़ने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। इसके दबाव में कुछ लोग पार्टी छोड़ सकते हैं। इससे पहले, महाराष्ट्र के पूर्व डिप्टी सीएम अजीत पवार ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बीजेपी में शामिल होने की अटकलों पर सफाई पेश की। संजय राउत ने कहा कि मैं अपनी पार्टी और शरद पवार के लिए वफादार हूं। जो शरद पवार कहेंगे, मैं वो ही करूंगा। दरअसल, कुछ दिनों से चर्चाएं थी कि अजीत पवार एनसीपी के करीब 40 विधायकों के साथ बीजेपी में शामिल हो सकते हैं। हाल ही में अजीत पवार ने पीएम मोदी और उनके नेतृत्व की प्रशंसा भी की थी। इसके अलावा उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) का भी समर्थन किया था।

कर्नाटक में राहुल-प्रियंका के हाथों में प्रचार की कमान, स्टार प्रचारकों की सूची में इनके हैं नाम, पायलट शामिल नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां लगातार तेज होती दिखाई दे रही है। भाजपा की ओर से आज स्टार प्रचारकों की सूची जारी की गई थी। अब कांग्रेस ने भी अपने स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। कर्नाटक में मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच ही माना जा रहा है। एक ओर जहां कांग्रेस सरकार बनाने की कवायद में जुटी हुई है तो वहीं भाजपा सरकार बचाने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस के स्टार प्रचारकों की सूची में सबसे ऊपर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का नाम है। दूसरे नंबर पर सोनिया गांधी, तीसरे पर राहुल गांधी और चौथे पर प्रियंका गांधी वाड्रा का नाम है। इससे साफ जाहिर होता है कि कहीं ना कहीं कर्नाटक में चुनाव प्रचार की कमान राहुल और प्रियंका के हाथों में ही रहने वाला है।

पांचवें नंबर पर कर्नाटक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार क नाम है। इसके अलावा पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, पार्टी के महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला, बीके हरिप्रसाद, जयराम रमेश, वीरप्पा मोइली भी कांग्रेस के लिए कर्नाटक में प्रचार करेंगे। इसके साथ ही भाजपा छोड़ कांग्रेस में शामिल होने वाले पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार को भी पार्टी ने स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल किया है। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू भी स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल हैं। शशि थरूर, राज बब्बर, मोहम्मद अजहरुद्दीन, इमरान प्रतापगढ़ी, कन्हैया कुमार, पी चिदंबरम, पृथ्वीराज चव्हाण, अशोक चव्हाण को भी स्टार प्रचारकों की सूची में रखा गया है।

अब तक चुनावी राज्यों में स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल रहने वाले सचिन पायलट का नाम इस सूची से बाहर है। इसको लेकर भी तरह-तरह की अटकलें चल रही हैं। दावा किया जा रहा है कि सचिन पायलट के अनशन की वजह से आलाकमान नाराज है। वहीं, भाजपा के स्टार प्रचारकों की सूची में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम सबसे ऊपर है। इसके अलावा भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा दूसरे नंबर पर मौजूद है। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह, नितिन गडकरी भी स्टार प्रचारकों की सूची में मौजूद हैं। इसके अलावा भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा, राज्य के भाजपा प्रमुख नलिन कुमार कटील, मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई भी 40 स्टार प्रचारकों की सूची में मौजूद है।

चीन-पाक सहित 155 देशों व 7 महाद्वीपों की नदियों व समुद्री जल से होगा भगवान रामलला का जलाभिषेक

-केंद्रीय मंत्री गडकरी के घर पर रखा गया भारत पहुंचा पवित्र जल कलश

अयोध्या (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में भगवान रामलला के मंदिर का निर्माण कार्य जोर-शोर से जारी है। माना जा रहा है कि साल 2024 तक मंदिर बनकर तैयार हो जाएगा। इसी बीच रामलला के मंदिर का जलाभिषेक किया जाएगा। जलाभिषेक के लिए 155 देशों समेत 7 महाद्वीपों की नदियों और समुद्रों का जल भारत लाया गया है। इस पवित्र जल को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के घर पर रखा गया है। मीडिया को मिली जानकारी के अनुसार पवित्र जल को एक तांबे के लोटे में रखा गया है और उसे पीले रंग के राम-राम लिखे कपड़े से पैक किया गया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 23 अप्रैल को रामलला का जलाभिषेक करेंगे। इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी मौजूद रहेंगे। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि 155 देशों से पावन जल लाया गया है, ये बहुत ही ऐतिहासिक है। मैं विजय जोली और उनके सहयोगियों को इस कार्य के लिए बहुत धन्यवाद देता हूं, उनका अभिनंदन करता हूं। उल्लेखनीय है कि भाजपा नेता विजय जॉली ने बताया कि पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान की पवित्र नदियों में से एक रावी नदी का जल भी इसमें शामिल है। हालांकि, पाकिस्तान से जल लाना आसान नहीं था, लेकिन फिर दुबई के रास्ते इस जल को भारत लाया गया। जलाभिषेक में पाकिस्तान और रूस से लेकर फ्रांस, जर्मनी, जॉर्जिया, स्विट्जरलैंड, इटली, इराक, कनाडा, चीन, भूटान, अफगानिस्तान, ब्राजील, डेनमार्क जैसे कुल मिलाकर 155 देशों का जल शामिल है। जलाभिषेक में विदेशों के भी राजनयिक, धार्मिक और आध्यात्मिक गुरुओं के साथ गणमान्य व्यक्तियों को आमंत्रित करने की तैयारी है।

समलैंगिक मामला : केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में कहा राज्यों से भी विचार-विमर्श करे

-हलफनामा देकर सुप्रीम कोर्ट से अपील की

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट से समलैंगिक विवाह को कानूनी मंजूरी देने की मांग वाली याचिकाओं पर चल रही सुनवाई में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पक्षकार के रूप में शामिल करने का अनुरोध किया है। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में दायर एक हलफनामे में कहा, भारत संघ, वर्तमान मामले में पक्षकार के रूप में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को शामिल करने और वर्तमान मुद्दे पर विभिन्न राज्यों के विचार आमंत्रित करने का अपना अनुरोध दोहराता है, क्योंकि यह मुद्दा स्पष्ट रूप से उनके विधाई दायरे में आता है, और उसके बाद ही माननीय न्यायालय में इस मुद्दे पर फैसला किया जाए। हलफनामे में कहा गया है कि भले ही वर्तमान मामला और इस अदालत द्वारा परिभाषित मुद्दा विशेष विवाह अधिनियम, 1954 तक सीमित हो, इसके लिए विवाह नाम के एक कथित अलग सामाजिक संस्था के न्यायिक निर्माण की जरूरत है जो मौजूदा कानूनों से परे है। इसमें आगे कहा गया है, संविधान के निमार्ताओं ने समवर्ती सूची में एक अलग प्रविष्टि के लिए विशेष रूप से प्रावधान किया है जो भारत के संविधान की सातवीं अनुसूची का हिस्सा है। इसके तहत विवाह की इस संस्था के संबंध में कानून बनाने, एक वैध विवाह के लिए शर्तें तथा ऐसी संस्थाओं के नियम जैसे तलाक, गुजारा भत्ता आदि के लिए प्रावधान करने का एक संवैधानिक कार्य प्रदान किया गया है।

केंद्र ने कहा कि उक्त मुद्दा वर्तमान मामले की जड़ तक जाता है और इसके दूरगामी निहितार्थ हैं। केंद्र ने वर्तमान हलफनामे को न्याय के हित में बताकर कहा, इसलिए, विनम्रतापूर्वक अनुरोध किया जाता है कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को वर्तमान कार्यवाही में एक पक्षकार बनाया जाए और उनके संबंधित रुख को रिकॉर्ड में लिया जाए और विकल्प के रूप में, भारत संघ को राज्यों के साथ परामर्श प्रक्रिया पूरी करने, उनकी राय/आशंकाएं जानने और इन्हें संकलित कर माननीय न्यायालय के समक्ष रिकॉर्ड पर रखने की अनुमति दी जाए। उसके बाद ही वर्तमान मुद्दे पर निर्णय लें।

अब कोई भी शख्स घर पर नहीं पाल सकेगा सारस, योगी सरकार का फैसला

-सीएम की अध्यक्षता में राज्य वन्य जीव बोर्ड की 14वीं बैठक संपन्न

-यूपी में आरिफ पर सारस पालने के मामले में केस दर्ज

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश राज्य वन्य जीव बोर्ड की 14वीं बैठक संपन्न हुई। बैठक में प्रदेश की जैव विविधता को संरक्षित करने और इको पर्यटन की संभावनाओं को विस्तार देने सहित अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर मुख्यमंत्री ने दिशा-निर्देश जारी किए। बैठक में ही फैसला लिया गया कि अब कोई राज्य पक्षी 'सारस' को घर पर नहीं पाल पाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सारस के संरक्षण के लिए कार्ययोजना बनाने के लिए निर्देश दिए हैं।

उल्लेखनीय है कि हाल ही में यूपी में आरिफ नाम के शख्स द्वारा सारस पालने का मामला काफी सुर्खियों में रहा था। आरिफ को अगस्त 2022 में घायल अवस्था में एक सारस मिला था। आरिफ ने उसका इलाज किया, तब से सारस उसके साथ रहने लग गया और वो जहां भी जाता सारस उसके साथ ही जाता था। यह मामला तब ज्यादा चर्चा में आया था, जब सपा प्रमुख अखिलेश यादव दोनों के किस्से सुनकर आरिफ से मिलने पहुंचे थे। इसके बाद प्रशासन ने आरिफ को नोटिस जारी किया था और वन विभाग आरिफ के सारस को अपने साथ ले गया था। इस मामले में वन्य जीव संरक्षण अधिनियम-1972 के प्रावधानों के उल्लंघन के आरोप में आरिफ के खिलाफ एक केस दर्ज किया गया है।

राज्य वन्य जीव बोर्ड की बैठक में सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश के राज्य पशु 'बारहसिंघा' और राज्य पक्षी 'सारस' के संरक्षण के लिए नियोजित प्रयास करने होंगे। इस संबंध में कार्ययोजना तैयार कर प्रस्तुत की जाए। उन्होंने इस बैठक में कहा कि यह सुखद है कि नमामि गंगे परियोजना के माध्यम से अविरल और निर्मल हो रहीं गंगा नदी में डॉल्फिन की संख्या में बढ़ोतरी हुई है।

बैठक में कुकरैल नाइट सफारी, लखनऊ और रानीपुर टाइगर रिजर्व, चित्रकूट के विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया जाए, इस संबंध में वन्य जीव विभाग, नगर विकास, पीडब्ल्यूडी और आवास विभाग मिलकर अच्छी कार्ययोजना तैयार करें। वर्ष 2014 में कुल 117 बाघ प्रदेश में थे, जो 2018 में बढ़कर 173 हो गए हैं। विगत दिनों जारी रिपोर्ट में शिवालिक एंड गंगा प्लेन लैंडस्केप में 804 बाघों के होने की पुष्टि हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सुखद संकेत है। बीते 2 वर्षों में 28 तेंदुआ, 5 तेंदुआ शावक और 6 बाघों को सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया गया। वन्य जीवों के रेस्क्यू में संवेदनशीलता के साथ मानकों का पूरा ध्यान रखा जाए।

बैठक में बताया गया कि वेटलैंड संरक्षण और पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रयासों के अच्छे परिणाम मिले हैं। प्राकृतिक सुषमा से परिपूर्ण अब तक प्रदेश में 10 रामसर साइट घोषित किए गए हैं। इनमें अपर गंगा रिवर, बुलन्दशहर, सरसई नावर झील, इटावा, नवाबगंज पक्षी विहार, उन्नाव, सांडी पक्षी विहार, हरदोई, समसपुर पक्षी विहार, रायबरेली, पार्वतीअरगा पक्षी विहार, गोंडा, समान पक्षी विहार मैनपुरी, सूरसरोवर पक्षी विहार, आगरा, बखिरा पक्षी विहार, संतकबीरनगर तथा हैदरपुर वेटलैंड, मुजफ्फरनगर शामिल हैं। वेटलैंड संरक्षण के लिए जागरुकता बढ़ाई जाए। यहां पर्यटन सुविधाओं का विकास किया जाए। जनपद संतकबीर नगर का बखिरा झील ईको टूरिज्म की अपार संभावनाओं को समेटे हुए है। यहां के विकास के लिए बेहतर कार्ययोजना तैयार करें।

भारत में भीषण गर्मी के कारण काम करने के घंटों में आ सकती हैं कमी

-राजस्थान में 145 दिन सबसे अधिक गर्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। भीषण गर्मी और तपती धूप से भारत में दुनिया के अन्य देशों की तुलना में लोगों के काम करने की क्षमता पर असर हो सकता है। इसके साथ ही भीषण गर्मी से मानवीय स्तर पर भी नुकसान हो सकता है।

महाराष्ट्र में हुई घटना इसी ओर इशारा करती है। राज्य में एक सरकारी कार्यक्रम में भाग लेने आए करीब एक दर्जन लोगों की मौत लू लगने से हुई और सैकड़ों लोग अस्पताल में भर्ती किए गए। एक अनुमान के अनुसार 2030 तक भीषण गर्मी से भारत में काम के कुल घंटे 6 प्रतिशत तक कम हो सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के अनुसार भारत की तुलना में दुनिया के शेष हिस्से में गर्म हवाओं एवं अत्यधिक गर्मी से काम के घंटे थोड़े कम प्रभावित हो सकते हैं, इसमें नुकसान 2.2 प्रतिशत तक सीमित रह सकता है। चीन और अमेरिका में भीषण गर्मी से काम के घंटों में नुकसान 1 प्रतिशत से कम रह सकता है। आईएलओन रिपोर्ट, 2019 में कहा गया है कि गर्म मौसम से कृषि क्षेत्र पर सर्वाधिक असर होगा, वहीं निर्माण क्षेत्र में काम के घंटे खासे कम हो जाएंगे।

काम करने के घंटे में कमी 3.4 करोड़ पूर्णकालिक नौकरियां जाने के समतुल्य है। चीन और अमेरिका में यह आंकड़ा थोड़ा कम है। संसद में प्रस्तुत 18 राज्यों से जुटाए गए आंकड़ों के अनुसार लू वाले एवं अत्यधिक गर्म दिनों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार प्रत्येक राज्य में अत्यधिक गर्म दिनों की संख्या बढ़ रही है। 2011 में इसतरह के दिनों की कुल संख्या 40 थी। यह संख्या 2022 में बढ़कर 203 हो गई। इनमें कुछ दिनों की संख्या घट-बढ़ सकती है मगर इस संबंध में ऐसी खबरें आने का मतलब है कि देश के ज्यादातर राज्य अक्सर अत्यधिक गर्मी में झुलस रहे हैं। पिछले 12 साल के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार राजस्थान में अत्यधिक गर्मी वाले दिनों की संख्या (145) सबसे अधिक रही। आंध्र प्रदेश में इसतरह के दिनों की संख्या 111 रही और तब से राज्य में भयंकर गर्म हवाएं चल रही हैं। ओडिशा 108 दिनों के साथ इस सूची में तीसरे स्थान पर रहा।

मृदा विज्ञान मंत्रालय की भारत में जलवायु परिवर्तन की समीक्षा रिपोर्ट में कहा गया है कि 2015 में समाप्त 30 वर्ष की अवधि के दौरान सर्वाधिक गर्म दिन में दर्ज तापमान 0.63 प्रतिशत बढ़ गया है। रिपोर्ट के अनुसार यह सर्वाधिक गर्म दिन के दौरान तापमान में बढ़ोतरी इस शताब्दी के अंत तक 4.7 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकती है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई